दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 06
अंकः- 181
मुरादाबाद
(Wednesday)
21 October 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी ने संघ प्रमुख के संबोधन को सराहा, कहा- आपका बयान प्रेरणादायी;पंच परिवर्तन पर कही बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरएसएस के शताब्दी वर्ष के विजयादशमी उत्सव पर संघ प्रमुख मोहन भागवत के संबोधन की सराहना की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि भागवत ने राष्ट्रीय प्रगति, सामाजिक एकता, आत्मनिर्भरता और समाज के चरित्र को मजबूत करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। पीएम मोदी ने विशेष रूप से 'सेवा' और 'राष्ट्र निर्माण' के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर देने का उल्लेख किया ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- नागपुर में शताब्दी वर्ष श्री विजयादशमी उत्सव के दौरान परम पूज्य सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का अत्यंत प्रेरणादायी संबोधन हुआ। उन्होंने राष्ट्रीय प्रगति, सामाजिक एकता, आत्मनिर्भरता की आवश्यकता और समाज के चरित्र को सुदृढ़ करने जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। विशेष रूप से उल्लेखनीय था उनका वह जोर, जो उन्होंने सेवा और राष्ट्र निर्माण के प्रति उस प्रतिबद्धता पर दिया, जो हर आरएसएस स्वयंसेवक के जीवन का अभिन्न अंग है। उन्होंने पंच परिवर्तन के बारे में भी बात की और बताया कि किस प्रकार ये सकारात्मक सामाजिक बदलाव लाने में सार्थक योगदान दे सकते हैं ।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत शताब्दी वर्ष श्री विजयादशमी उत्सव के लिए नागपुर पहुंचे। नागपुर में श्री विजयादशमी उत्सव की शुरुआत स्वयंसेवकों के पथ संचलन के साथ हुई। इस उत्सव में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत भी मौजूद रहे और उन्होंने उत्सव में हिस्सा लिया। अपने संबोधन में डॉ. मोहन भागवत ने कई अहम बातें कहीं। उन्होंने कहा कि हमें अपनी विस्मृति को दूर कर उस तत्व को भी स्पष्ट रूप से समझना पड़ेगा, स्वीकार करना पड़ेगा और उसके अनुरूप गुणवत्तापूर्ण जीवन का सभी आयामों में निर्माण करना पड़ेगा। देश की स्वाधीनता के लिए जितनी तपस्या और समर्पण हुआ, उससे कहीं अधिक की आवश्यकता अब पड़ेगी, परिस्थिति को देखते हुए यह ध्यान में आता है ।उन्होंने पंच परिवर्तन की बात करते हुए कहा कि पंच परिवर्तन की पांचों पहलों का प्रबोधन, पर्यावरण, स्व बोध व स्वदेशी और नागरिक अनुशासन) समाज के सभी वर्गों और स्तरों में स्वागत हुआ है। विश्व के अन्य देशों में भी इसकी आवश्यकता अनुभव की गई है। यह केवल एक वर्ष भर का कार्यक्रम नहीं, बल्कि जीवन में आचरण का परिवर्तन लाने वाली व्यवहार की शैली है। डॉ. भागवत ने नई पीढ़ी को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि विभिन्न माध्यमों से प्राप्त जानकारी बिना उचित-अनुचित का विवेक किए नई पीढ़ी ग्रहण करती है। उसके दुष्परिणामों का अनुभव होने के बाद विभिन्न देशों ने कुछ अनुशासन और प्रतिबंध लागू किए हैं। हमारे अपने देश में भी इस प्रकार की आवश्यकता, विशेष तौर पर ओटीटी प्लेटफॉर्म को लेकर, समाज में अनुभव की जा रही है। शासन-प्रशासन को इसका विचार करना चाहिए ।आरएसएस की स्थापना 1925 में नागपुर में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने विजयादशमी के दिन की थी। इस वर्ष संगठन अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे कर रहा है। इस अवसर पर नागपुर के रेशिमबाग मैदान में सरसंघचालक मोहन भागवत ने शस्त्र पूजा की और संघ के संस्थापक को पुष्पांजलि अर्पित की। अपने संबोधन में भागवत ने हिमालयी क्षेत्र में पर्यावरण संतुलन के साथ विकास, सामाजिक सद्भाव और सोशल मीडिया पर सूचनाओं के विवेकपूर्ण उपयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने नशे की समस्या को भी गंभीर राष्ट्रीय चुनौती बताते हुए सरकार और समाज से मिलकर प्रयास करने की अपील की ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिवस पर स्वयंसेवकों को बधाई दी। उन्होंने संघ की 100 साल की यात्रा को सेवा, राष्ट्र निर्माण और सामाजिक सद्भाव का उल्लेखनीय शतक बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए पीएम मोदी ने संघ को वर्षों तक आगे बढ़ाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि अनगिनत स्वयंसेवकों ने कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ समाज की सेवा की है। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि सेवा की यह भावना भविष्य में भी राष्ट्रीय विकास को मजबूती देती रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

विंटर एक्शन प्लान से धुलेगा प्रदूषण!: दिल्ली में एक नवंबर से नो पीयूसी नो फ्यूल

दिल्ली सरकार ने प्रदूषण घटाने के लिए विंटर एक्शन प्लान तैयार किया है। इस योजना के तहत %नो पीयूसी नो फयूल% नीति लागू की जाएगी। प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए 50 फीसदी घर से काम (वर्क फ्रॉम होम) पर भी जोर दिया जाएगा ।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने आगामी सर्दियों के मौसम में प्रदूषण नियंत्रण के लिए एक बड़ा विंटर एक्शन प्लान तैयार किया है। यह कार्य योजना 1 नवंबर से शुरू होकर अगले वर्ष 28 फरवरी 2027 तक प्रभावी रहेगी। इस पहल का मुख्य लक्ष्य दिल्ली के नागरिकों के लिए स्वच्छ हवा सुनिश्चित करना, स्वस्थ परिवारों को बढ़ावा देना और राजधानी को प्रदूषण-मुक्त बनाना है ।तीन महीने इन चीजों पर रहेगा प्रतिबंध- विंटर एक्शन प्लान के मुताबिक, इनमें %पीयूसी नहीं तो ईंधन नहीं% (नो पीयूसी, नो फ्यूल) नीति को सख्ती से लागू करना शामिल है। इसके तहत वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र के बिना किसी भी वाहन को ईंधन नहीं मिलेगा। वाहनों के दिल्ली में प्रवेश पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए आवश्यक माना गया है। निर्माण स्थलों पर धूल से होने वाले प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए भी विशेष सख्ती बरती जाएगी। इन नियमों के उल्लंघन पर नजर रखने और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कैमरों का व्यापक उपयोग किया

फ्रांस की तरह भारत में भी हो रहे प्रयासः विजयादशमी पर भागवत का बड़ा बयान, कहा- राजनीति से प्रेरित आंदोलन गलत

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने विजयादशमी पर कहा कि आपसी विभाजन ने भारत को कमजोर किया। उन्होंने संत रविदास के सामाजिक समरसता के संदेश को याद किया। उन्होंने कहा कि दुनिया देख रही है कि फ्रांस और अल्बानिया में क्या हो रहा है? लोकतंत्र में आंदोलन स्वाभाविक हैं, लेकिन उनका उद्देश्य समाधान होना चाहिएराष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने विजयादशमी के अवसर पर शस्त्र पूजन किया। उन्होंने नागपुर में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके साथ ही अपने संबोधन में कहा कि जब हम हम विभाजित हुए तो कमजोर हो गए। आरएसएस प्रमुख ने क्या कहा? - विजयादशमी उत्सव पर, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, पिछले एक साल में शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। आज हम विजयादशमी मनाने के लिए यहां एकत्रित हुए हैं। इस वर्ष संत रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती है। उस दौर में जब हमारा देश विदेशी आक्रमणकारियों के हमलों से जूझ रहा था, जब वे यहां स्वधर्म का पालन करने वालों पर अत्याचार कर रहे थे और चारों ओर भय का माहौल था, तब संत रविदास ने स्वधर्म निष्ठा, सामाजिक समरसता और भक्ति का संदेश फैलाया। उन्होंने अपने जीवन के उदाहरण से उस समय के समाज को सांत्वना दी, उनका मनोबल बढ़ाया और उनके गुणों को बनाए रखा। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत कहते हैं, यह लचीलापन भी इसी सनातन दृष्टिकोण का परिणाम है। जब हमने इस भावना को समझा और अपनाया। जब यह भावना हमारी भाषा, जाति, संप्रदाय या समुदाय के प्रति हमारी स्वाभाविक भावनाओं से भी ऊपर रही, जब भावनात्मक एकता और भारतीय राष्ट्रीयता की यह भावना सर्वोपरि रही। तब हम दुनिया भर में हर लिहाज से आदर्श थे। जब हम इसे भूल गए, तो हम एक-दूसरे के साथ अपने जुड़ाव और अपनेपन की भावना को भी भूल गए, और हम बंट गए। नतीजतन, हम कमजोर हो गए। जब हम कमजोर हुए, तो मन में डर बैठ गया; हम दुनिया से डरने लगे और चिंता करने लगे कि हम बच पाएंगे या नहीं। एक कमजोर व्यक्ति खुद को दीवारों के भीतर सीमित कर लेता है, और ठीक उसी तरह, हमने भी खुद को सीमित कर लिया ।दुनिया का ध्यान भारत की ओर गया है आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, दुनिया का ध्यान भारत की ओर गया है। जैसे-जैसे देश का कद बढ़ रहा है और भारत तरक्की कर रहा है, वैसे-वैसे भारत को लेकर लोगों की जिज्ञासा भी बढ़ रही है। ऐसा इसलिए है क्योंकि उनकी जीवनशैली जो भौतिकवाद, व्यक्तिवाद और बेलगाम उपभोग पर आधारित है, और जिसका दृष्टिकोण एकांगी (सीमित) है। यह उनके जीवन में कई समस्याएं पैदा कर दी हैं। भौतिक रूप से समृद्ध होने के बावजूद, वे इन समस्याओं की चिंता से घिरे हुए हैं। उनके पास इन सवालों के जवाब नहीं हैं कि दुनिया की इतनी विशाल विविधता को एक साथ कैसे संभाला जाए, विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए, अलग-अलग लोगों के साथ अपनापन कैसे रखा जाए,

दशहरा पर बोले अखिलेश- समाजवाद ही असल में राम राज्य है, भाजपा कर रही है एआई का दुरुपयोग

अखिलेश यादव ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि आज सुबह ही बीजेपी ने उन्हें रावण के रूप में दर्शाने वाला एक एआई-जनरेटेड वीडियो जारी किया है। इससे उनकी मानसिकता दिखती है। भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने भाजपा पर एआई तकनीक का इस्तेमाल कर उन्हें रावण के रूप में दिखाने वाला वीडियो जारी करने का आरोप लगाया है। साथ ही समाजवाद और राम राज्य को एक-दूसरे का पर्याय बताया है। समाजवाद ही राम राज्य है- दशहरे के मौके पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि देश का यह पर्व हमें हमेशा बुराई के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने अपने राजनीतिक दर्शन को परिभाषित करते हुए कहा, समाजवाद ही असल में राम राज्य है और राम राज्य ही समाजवाद है। जो लोग दोनों में विश्वास रखते हैं, वे ही सच्चे सनातनी हैं ।उन्होंने आगे कहा कि एक सच्चा सनातनी दुनिया में भलाई लाता है, जबकि बुराई करने वाले लोग केवल नकली सनातनी हैं ।एआई वीडियो के इस्तेमाल पर तीखी नाराजगी- अखिलेश यादव ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि आज सुबह ही बीजेपी ने उन्हें रावण के रूप में दर्शाने वाला एक एआई-जनरेटेड वीडियो जारी किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी सामाजिक प्रगति के बजाय राजनीतिक कलंक और दुष्प्रचार के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का दुरुपयोग कर रही है ।यूपी में छिड़ी डिजिटल और एआई की जंग-यह पूरा विवाद उत्तर प्रदेश में चल रही एक बड़ी और अत्यधिक डिजिटल राजनीतिक लड़ाई का हिस्सा है। पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर राजनीतिक दलों द्वारा सिंथेटिक मीडिया और डीपफेक/ एआई टूल्स का इस्तेमाल करके विरोधियों को निशाना बनाने का दौर चल रहा है।

ओपी राजभर का अखिलेश पर हमला, कहा- साइकिल का हैंडल नहीं संभाल पाए; राहुल गांधी पर भी तंज

प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष और प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। कन्नौज में सपा की जिला इकाई भंग किए जाने पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि जब अखिलेश यादव एसी, पीसी और ट्विटर की दुनिया से बाहर नहीं निकलेंगे, तो जिला स्तर के नेता क्या करेंगे। राजभर ने कहा कि सपा कन्नौज को खानदानी विरासत समझती रही है, लेकिन वहां की स्थिति से पार्टी की हैसियत का पता चल गया। अखिलेश के पिता मुलायम सिंह यादव और चाचा शिवपाल सिंह यादव ने मेहनत करके कन्नौज को सपा का गढ़ बनाया था, लेकिन अखिलेश उस विरासत को संभाल नहीं पाए ।उन्होंने दावा किया कि प्रदेश का गैर-यादव पिछड़ा और बहुजन समाज सपा को खारिज कर चुका है। राजभर ने सलाह दी कि चुनाव से पहले अखिलेश को पूरे प्रदेश की कार्यकारिणी भंग कर देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि साइकिल चलाने वाले असली नेता अब पार्टी में नहीं हैं और अखिलेश अपने पिता व चाचा की सियासी विरासत संभालने में नाकाम रहे हैं। तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि सपा की साइकिल की चेन टूट गई है और टायर फटने वाला है ।राहुल गांधी के विदेश दौरे पर भी निशाना- राहुल गांधी के विदेश दौरे को लेकर भी राजनीतिक कटाक्ष किया गया। पोस्ट में सवाल उठाया गया कि क्या राहुल गांधी दशहरे पर अपने सामने रावण का दहन होते नहीं देख पा रहे थे, इसलिए विदेश यात्रा पर निकल गए? इस टिप्पणी के जरिये राहुल गांधी के विदेश दौरे पर निशाना साधा गया है।

वीबी-जी राम जीः मनरेगा की नई व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार पर बरसी कांग्रेस, भाजपा पर लगाए गंभीर आरोप

कांग्रेस ने मनरेगा की जगह लाई गई वीबी जी राम जी% योजना को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी ने महाराष्ट्र के बीड समेत कई राज्यों में फर्जी हाजिरी और ग्रामीण मजदूरी चोरी का गंभीर आरोप लगाया है ।कांग्रेस ने वीबी-जी राम जी (पूर्व में मनरेगा) को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। मंगलवार को पार्टी ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा मनरेगा की जगह लाई गई नई व्यवस्था, ग्रामीण भारत को सुरक्षा देने वाले सोशल सेफ्टी नेट (सामाजिक सुरक्षा कवच) पर एक सर्जिकल स्ट्राइक से कम नहीं है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि वोट चोरी सरकार ने अब ग्रामीण मजदूरी चोरी में भी महारत हासिल कर ली है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि सूखे की मार झेल रहे महाराष्ट्र में, कागजों पर तो वीबी जी राम जी योजना के तहत हजारों लोग काम कर रहे थे, लेकिन बीड जिले में पांच अलग-अलग जगहों पर मौके पर एक भी मजदूर नहीं मिला। सबसे भीषण सूखा पड़ा है। ऐसे कठिन समय में मनरेगा लोगों के लिए एक सुरक्षा की गारंटी था। लेकिन इसकी जगह वीबी जी राम जी योजना को लाना, ग्रामीण भारत को सुरक्षा देने वाले सोशल सेफ्टी नेट पर एक सर्जिकल स्ट्राइक से कम नहीं है।

संपादकीय Editorial

Beyond Reality

While Himachal's civil society is becoming increasingly devoted to political issues, the state's financial situation has been crippled and crippled. Surprisingly, civil society is unable to stand on the surface of conflict or find a place in the state's character, and therefore, it needs political nourishment from incoming and outgoing governments. Politics here reveals the status of civil society in a five-year diet, where spineless pleas become mere courtiers. How will society, sensing the earthworm's nature, review political issues? Social media has certainly brought some change, and that is why the "masks" are being exposed in the face of reality. Recently, in the new advocacy of the districts, all the old context and circumstances of the state are disappearing, so it should not be surprising that society is beginning to delude itself by daydreaming. It's surprising that despite being irrelevant to the functioning of a unit like the Panchayat, society still desires the government to build new pillars, publicize announcements, or announce good news that seems to be the emergence of dream cities, far from reality. If the veil is lifted from such dream cities this time, the public will be seen begging for new district dreams. Create as many districts as you can count. At least social media users are demanding at least one new district in every assembly constituency. This means that a district is crucial to victory or defeat in the upcoming elections. Once, opening new schools brought votes, and then votes led to the opening of new colleges.

As voter aspirations grew, university campuses were divided into political fragments, or medical colleges were placed at the mercy of elections. Now that many educational institutions have become irrelevant, how can voters be persuaded? Our departments and ministers, playing Holi with the voters, have opened so many new offices, government hotels, bus depots, dispensaries, and veterinary hospitals each time, trying to figure out who to use as a chess piece. Obviously, the common citizen isn't adept at this game. Therefore, a new strategy emerged; otherwise, a state shouldering a debt of nearly one lakh crore would be doomed by the applause of new districts. Clearly, Himachal's debt has reached a dire state due to political priorities. Our government employees and pensioners number around four and a half to five lakh, but this political calculation accounts for seventy percent of the state's budget. If we want to breathe life into the economy with the remaining thirty percent of the budget, decisions must be made with caution. Furthermore, there are approximately 2.5 million people employed in private sector or self-employment businesses, which support the GDP growth rate. Many people in Himachal contribute taxes to the state by drinking alcohol. Perhaps, by expanding the number of districts, we will have to increase liquor sales. It's also surprising that Himachal Pradesh is the only state that hasn't been able to build a single IT or knowledge park. For nearly five years, the Chaitud IT Park has been lying in ruins. The university's Jadrangal campus hasn't received Rs. 30 crore. Of course, the current government has taken .

Government Change Through Anarchy

Sanjay Gupta. The violence that ensued when the Cockroach Janata Party, which gained notoriety by staging a sit-in at Jantar Mantar in Delhi over the NEET paper leak, organized a Parliament March is no secret. CJP and Congress accused of orchestrating a chaotic regime change. Statements by Prashant Bhushan and Neha Bora inspired by Bangladesh.

Rahul Gandhi objects to the Supreme Court march. The violence that ensued when the Cockroach Janata Party, which gained notoriety by staging a sit-in at Jantar Mantar in Delhi over the NEET paper leak, organized a Parliament March is no secret. This violence raised the suspicion that CJP supporters were seeking a regime change by creating a Bangladesh- and Nepal-like situation in the country.

Now, this suspicion appears to be confirmed. This is why Defense Minister Rajnath Singh has targeted the Congress. Lawyer Prashant Bhushan, who recently participated in the Congress-led protest on the SIR issue, said, "Yes, we are fighting for a change of government and will continue to do so." Neha Bora, who was active in the CJP's protest against the NEET paper leak, also actively participated in the Congress protest. Rahul Gandhi even promoted her, despite being an ally of the CJP and president of the left-wing student organization, the All India Students Association (AISA). Neha Bora also clearly stated that the Bangladesh student movement showed her the path to revolution and that she draws inspiration from it. Could anything be more absurd?

The statements of Prashant Bhushan and Neha Bora, who stand with the Congress, and the chaotic attitude of CJP leaders strengthen the suspicion that an attempt is being made to change the government by creating instability in the country. It is dangerous that even bloody revolutions are being talked about, and the violent movement in Bangladesh is being cited as an inspiration. Radical religious and anarchist forces were also involved in the Bangladesh movement.

This led to a situation where Prime Minister Sheikh Hasina was forced to flee to India for her life. This was followed by widespread killings of Hindus, including her supporters. The violent change of power in Bangladesh, which resulted in the formation of an interim government, only further plunged the country into anarchy. The actual change of power in Bangladesh occurred only after elections. In a democracy, power changes occur through elections, but Prashant Bhushan and Neha Bora, close associates of Rahul Gandhi, are talking about power change through anarchy. Undoubtedly, our Constitution grants the right to protest, but this right is not unlimited. The Constitution emphasizes peaceful protest, but this is being ignored and anarchic methods are being advocated.

Talking about power change through anarchy is a blatant disrespect of the Constitution. Such disrespect for democracy and the Constitution occurred during the Emergency, which Indira Gandhi imposed to save her power. It is ironic that Rahul Gandhi, familiar with the dark chapter of the Emergency, is siding with those who want a change of power through anarchy. Previously, he had distanced himself from the CJP, but now he is ready to join them. The attitude adopted by the Congress, which played a key role in India's independence, makes it difficult to say that it embodies Mahatma Gandhi's values.

If today's Congress respected Gandhian values, Rahul Gandhi would not have marched to the Supreme Court under the pretext of filing a petition. Before this march, he also attempted to meet the Chief Justice of the Supreme Court, but was unsuccessful because he was trying to establish an inappropriate precedent. This was the first time a leader had gone to the Supreme Court with a crowd of people to file a petition.

This act of intimidation was so objectionable that the Supreme Court had to declare that such behavior could not be used. It should be noted that the Chief Justice of Bangladesh was forced to resign due to the anarchy caused by violent protesters bent on regime change. It is also a fact that the Kerala Congress threatened Supreme Court Chief Justice Surya Kant with resignation.

Why shouldn't it be accepted that Rahul Gandhi and his associates' attempts to defame and discredit constitutional institutions one after another, and to aggressively pressure the Supreme Court, are an attempt to create an atmosphere of regime change?

How serious Rahul Gandhi was about his petition is evident from the fact that it contained 14 errors. It is also strange that Rahul Gandhi, on the one hand, is using threatening language to demand the resignation of Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar, and on the other, is demanding that he admit his alleged mistakes and becom.

This is simply lawless behavior. In his view, removing names from the voter list under the SIR, including those who died, moved, or were registered in two places, constitutes vote theft. On the one hand, he is expressing confidence in the Supreme Court, which is hearing various aspects of the SIR, and on the other, he is creating chaos by taking to the streets against the Chief Election Commissioner over the SIR. All this seems to be a mere pretense of trust in the Supreme Court.

It should also not be overlooked that the American billionaire George Soros, who is accused of supporting regime change forces in several countries and who dislikes Prime Minister Modi and financially supports his opponents, is being supported. Sam Pitroda, head of the Overseas Congress, is doing this.

All this suggests that some foreign powers are also trying to destabilize India, and that political and non-political figures here are supporting them. This has raised the suspicion that the CJP is a puppet of such forces. Whatever the truth, it is not right that by portraying anarchic methods as democratic, an attempt is being made not only to weaken Indian democracy but also to bring about a change in power.

Higher education policy should be made meaningful.

Students should be able to ask the right questions, define the problem correctly, and then find solutions. Data from the recently released All India Survey on Higher Education (AISHE) provides an opportunity to consider the next phase of Indian higher education. According to this report, the number of students enrolled in higher education in 2014-15 was 34.2 million, which is projected to increase to 45 million by 2023-24. Today, the Gross Enrolment Ratio (GER) has reached 30 percent, with women accounting for 31.2 percent. The number of students in STEM (Science, Technology, Engineering, and Mathematics) has increased from 9.15 million a decade ago to 10.2 million.The number of teachers has increased to 1.732 million, of which 44.9 percent are women. For the first time, universities were asked at AISHE how they implemented key provisions of the National Education Policy (NEP) 2020. Of the 1,278 responding universities, only 41 percent have internship cells, 45 percent offer multidisciplinary programs, and only 15 percent have participated in any international rankings. There are approximately 1.73 million teachers. Of these, 67.2 percent are lecturers or assistant professors, 9.8 percent are readers and associate professors, 9.7 percent are professors or equivalent, 5.9 percent are temporary teachers, 6.6 percent are demonstrators and tutors, and 0.8 percent are visiting teachers.Arts is the most popular major at the undergraduate level, but there are also a significant number of students in subjects like science, engineering, technology, and commerce. We need to understand why they choose these options, what their educational experience is like, and what they do after completing their studies. We also need to obtain data on students' studies, their subsequent employment, income, and further higher education. To make higher education policy more robust and meaningful, it is essential to track students even after they leave campus. A GER of 30 percent is an impressive figure and indicates a large number of students enrolled in higher education.The NEP-2020 aims to increase this to 50 percent by 2035, but why just 50 percent? We can aim even higher. Over the next twenty years, a large number of Indian youth will pursue higher education, but simply increasing numbers is not enough. Their education must also be ensured to be efficient, quality-oriented, and useful.

To achieve this, we must set certain priorities. For example, the National Research Foundation (ANRF), established under the ANRF Act, 2023, aims to guide research, innovation, and entrepreneurship and promote collaboration between academia, industry, laboratories, and the government. In May of this year, the ANRF announced the establishment of 10 Convergence Centers of Excellence, which will connect science and technology with social sciences and humanities. This is an important initiative towards developing research capacity in Indian universities. Its success should be measured not just by the number of research papers and patents, but by the technology, enterprises, and high-quality human capital. Similarly, curriculum alone does not determine how good a course is. Success should be measured by what and how students learn, how they are assessed, and whether.

नईम उस्ताद ने तैयार किया 65 फीट का रावण का पुतला, 300 बम लगाए; भव्यता बनी आकर्षण का केंद्र

पाकबड़ा में इस बार 65 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया जाएगा, जिसे मेरठ के नईम उस्ताद ने तैयार किया है।पाकबड़ा में 65 फीट ऊंचे रावण का पुतला दहन।

मेरठ के कारीगर नईम उस्ताद ने किया तैयार।-विजयदशमी पर मुरादाबाद में यातायात रूट डायवर्जन।दशहरा पर्व को लेकर पाकबड़ा में तैयारियां जोरों पर हैं। इस बार यहां 65 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया जाएगा।

रावण के इस विशाल पुतले को मेरठ के कारीगर नईम उस्ताद ने तैयार किया है। पुतले की विशाल ऊंचाई और भव्यता लोगों को आकर्षित कर रही है। रावण के पुतले में करीब 250 से 300 बम लगाए गए हैं। दशहरा मेला कमेटी के सदस्य सुनील गुप्ता, रामबाबू भटनागर, तोताराम सैनी, जयप्रकाश मंत्री और वेगराम प्रजापति हलवाई सहित अन्य लोग मेले की व्यवस्था संभाल रहे हैं। आज मनाया जा रहा विजयादशमी- मंगलवार 20 अक्टूबर विजयदशमी (दशहरा पर्व) है। जिले में 36 व शहर में 15 स्थानों पर रावण दहन होगा। शहर में 17 स्थानों पर रामलीला का मंचन हो रहा है।ऐसे में विजय दशमी पर शहर में इन सभी स्थानों पर मेले का आयोजन होगा। इस दौरान हजारों लोग यहां पहुंचेंगे। सुरक्षा को देखते हुए यातायात पुलिस ने शहर में रूट डायवर्जन प्लान लागू किया है। मकसद किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने व लोगों की महफूज रखना है। रूट डायवर्जन के अनुसार, आज शाम पांच बजे से शहर में भारी वाहनों का पूरी तरह से प्रवेश बंद हो जाएगा। ऐसे में यदि आप स्वजन संग किसी आयोजन या अन्य स्थान पर वाहन से जा रहे है तो ध्यान से आइए। रूट डायवर्जन अच्छी तरह देख लें, ताकि गंतव्य तक पहुंचने में दिक्कत न हो। इस दौरान रोडवेज बस, प्राइवेट बस व अन्य छोटे माल वाहक वाहन शहर में प्रवेश नहीं कर पाएंगे।

35 हजार लोग बताएंगे, कौन अच्छी दौड़ाएगा साइकिल?; इन छह सीटों पर टिकट की दौड़ में ये हैं दावेदार

मुरादाबाद जिले की छह विधानसभा सीटों के लिए 35 से ज्यादा दावेदारों के नाम आए सामने हैं। सपा के तीसरे सर्वे में 35 हजार लोग शामिल होंगे। टीम ने डेरा डाल लिया है। नगर विधानसभा क्षेत्र में दस हजार लोगों से फीडबैक लिया जाएगा। बाकी पांच सीटों पर पांच-पांच हजार लोगों से टीमें संपर्क करेंगी।उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में प्रत्याशियों के चयन के लिए जिले में सपा का तीसरा सर्वे चल रहा है। इस सर्वे में जिले की छह विधानसभा क्षेत्रों में करीब 35 हजार लोगों को शामिल किया जाएगा। सर्वे टीम मुरादाबाद नगर में दस हजार और बाकी पांच विधानसभा क्षेत्रों में पांच-पांच हजार लोगों से विधायकों और दावेदारों का फीडबैक लेगी। फिलहाल सपा में टिकट के 35 से ज्यादा दावेदार सामने आ चुके हैं।

वैसे तो सपा मुरादाबाद में हमेशा से मजबूत स्थिति में रही है। 2017 में भाजपा की प्रचंड लहर में भी यहां की छह में से चार सीटों पर सपा का कब्जा रहा। जबकि 2022 में ये सीटें चार से पांच हो गईं। लगातार बेहतर प्रदर्शन के बाद भी 2027 के विधानसभा चुनाव में सपा प्रत्याशियों के चयन में कोई कोताही नहीं बरतना चाहती है। इसके लिए पार्टी तीसरा सर्वे करा रही है। जिले में अलग-अलग एजेंसियां काम कर रही हैं। जो लोगों से मौजूदा विधायकों और टिकट के दावेदारों का फीडबैक ले रही है। इस सर्वे में करीब 35 हजार लोगों से फीडबैक लेने की तैयारी हैसर्वे में नगर विधानसभा क्षेत्र में सबसे ज्यादा दस हजार लोगों को शामिल किया जाएगा। जबकि मुरादाबाद देहात, ठाकुरद्वारा, कांठ, कुंदरकी और कांठ विधानसभा क्षेत्र में करीब पांच-पांच हजार लोगों से फीडबैक लिया जाएगा। जिले की छह विधानसभा सीटों पर सपा से टिकट के दावेदारों में अभी तक 35 से ज्यादा नाम सामने आ चुके हैं।

इससे पहले हुए दो चरणों के सर्वे में पार्टी ने सिर्फ मुरादाबाद नगर और कुंदरकी सीट को शामिल किया था। दोनों सीटों पर आठ दावेदारों के नाम सबसे ज्यादा चर्चाओं में रहे थे। इसमें नगर सीट से पूर्व विधायक यूसुफ अंसारी, जिलाध्यक्ष जयवीर यादव, लाखन सिंह सैनी और राहुल सिंह के नाम शामिल रहे। जबकि कुंदरकी सीट से पूर्व विधायक हाजी रिजवान, पूर्व विधायक अकीलुर्रहमान, जिला पंचायत सदस्य नावेद बबलू और अनीस चौधरी के नाम चर्चाओं में रहे। राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर से समय-समय पर सर्वे कराया जाता है। ताकि टिकट के दावेदारों की जमीनी हकीकत का पता लग सके। सर्वे करने वाली एजेंसियां जिले स्तर पर पार्टी पदाधिकारियों से संपर्क नहीं करती हैं। एजेंसियां अपनी रिपोर्ट प्रदेश कार्यालय को सौंपती है। अभी स्थानीय स्तर पर टिकट के लिए कोई आवेदन नहीं लिए जा रहे हैं। - जयवीर यादव, जिलाध्यक्ष, सपा , टिकट की दौड़ में सपा से ये हैं दावेदार- मुरादाबाद नगर सीट से पूर्व विधायक राजीव चन्ना, अथहर अंसारी, सरताज आलम अंसारी, इमरान, बीके सैनी, जयपाल सिंह सैनी, लाखन सैनी, सीए अजय सैनी, हरपाल सैनी, राजीव सिंघल, नरेश शर्मा, लोकेश तिलकधारी, अक्षय भटनागर, शोएब पाशा। कुंदरकी से जिला पंचायत सदस्य राबुल पाशा, आशकार पाशा। बिलारी से विधायक मोहम्मद फहीम, राजेश यादव। ठाकुरद्वारा सीट से विधायक नवाब जान, महमूद हसन सैफी, मुजाहिद, इकबाल इंजीनियर- कांठ से विधायक कमाल अख्तर, पूर्व विधायक अनीसुरर्हमान देहात सीट से विधायक नासिर कुरैशी, शाने अली शानू, कसीम उल हक, मोहम्मद कामरानुल हक शामिल हैं।तीन चुनावों में किस विधानसभा सीट से सपा का कौन रहा उम्मीदवार-

विधानसभा सीट प्रत्याशी-2012 प्रत्याशी-2017 प्रत्याशी-2022 मुरादाबाद नगर यूसुफ अंसारी यूसुफ अंसारी यूसुफ अंसारी मुरादाबाद देहात शमीमुल हक इकराम कुरैशी नासिर कुरैशी कांठ फिजाउल्लाह चौधरी अनीसुरर्हमान कमाल अख्तर ठाकुरद्वारा मनमोहन सिंह सैनी नवाब जान नवाब जान कुंदरकी हाजी रिजवान हाजी रिजवान जियाउर्रहमान बर्क बिलारी इरफान अहमद मोहम्मद फहीम मोहम्मद फहीम

भोजीपुरा, पीलीभीत, पूरनपुर और मैलानी में पहुंचने का समय तय, एक नवंबर से लागू होगा बदलाव

पूर्वोत्तर रेलवे ने गोरखपुर-इज्जतनगर एक्सप्रेस (15009/15010) की समय-सारिणी में बदलाव किया है। एक नवंबर से ट्रेन के प्रस्थान और भोजीपुरा, पीलीभीत, पूरनपुर व मैलानी पहुंचने का नया समय लागू होगा।पूर्वोत्तर रेलवे ने गोरखपुर-इज्जतनगर एक्सप्रेस (15009/15010) के संचालन समय में बदलाव किया है। एक नवंबर से ट्रेन रोजाना शाम पांच बजे रवाना होगी।

यह ट्रेन भोजीपुरा स्टेशन पर शाम 5:20 बजे और पीलीभीत में शाम 6:05 बजे पहुंचेगी। पूरनपुर में शाम 7:22 बजे, मैलानी में रात 8:10 बजे और गोला गोकर्णनाथ में रात 8:30 बजे पहुंचेगी। इसके बाद लखीमपुर, सीतापुर, लखनऊ क्षेत्र के स्टेशनों और गोंडा होते हुए अगले दिन सुबह सात बजे गोरखपुर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 15009 गोरखपुर-इज्जतनगर एक्सप्रेस गोरखपुर से रात नौ बजे रवाना होगी। यह अगले दिन सुबह 10:43 बजे पीलीभीत और 11:17 बजे भोजीपुरा पहुंचेगी। यसुबह 11:35 बजे इज्जतनगर स्टेशन पहुंचेगी। रेल प्रशासन ने यह बदलाव परिचालनिक सुविधा के लिए किया है रेल प्रशासन ने बताया कि यह बदलाव परिचालनिक सुविधा को ध्यान में रखते हुए किया गया है। समय-सारिणी में बदलाव से ट्रेन के संचालन को व्यवस्थित करने और यात्रियों की आवाजाही सुचारु बनाए रखने में मदद मिलेगी। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि यात्रा पर निकलने से पहले ट्रेन के आगमन और प्रस्थान के समय की जानकारी संबंधित रेलवे माध्यमों से प्राप्त कर लें, ताकि उन्हें स्टेशन पर अनावश्यक इंतजार न करना पड़े। गोरखपुर-इज्जतनगर एक्सप्रेस (15009/15010) की समय-सारिणी स्टेशन - आगमन का समय भोजीपुरा - शाम 5:20 बजे पीलीभीत - शाम 6:05 बजे पूरनपुर - शाम 7:22 बजे मैलानी - रात 8:10 बजे गोला गोकर्णनाथ - रात 8:30 बजे गोरखपुर - अगले दिन सुबह 7:00 बजे वापसी ट्रेन: 15009 गोरखपुर-इज्जतनगरएक्सप्रेस गोरखपुर से प्रस्थान - रात 9:00 बजे पीलीभीत - अगले दिन सुबह 10:43 बजे भोजीपुरा - अगले दिन सुबह 11:17 बजे इज्जतनगर - अगले दिन सुबह 11:35 बजे

मच्छरदानी में सो रहा था युवक, सुबह 4 बजे खूंखार बंदर ने अंदर घुसकर किया हमला; 10 लोग घायल

मुरादाबाद के डिलारी क्षेत्र में बंदरों का आतंक बढ़ गया है, जहां एक उत्पाती बंदर ने मच्छरदानी में सो रहे युवक समेत 10 लोगों को घायल कर दिया। ग्रामीणों में दहशत का माहौल है और वे प्रशासन से बंदर को पकड़वाने की मांग कर रहे हैं।मुरादाबाद में बंदरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। कहीं बंदर राहगीरों पर हमला कर रहे हैं तो कहीं घरों में घुसकर लोगों को घायल कर रहे हैं। डिलारी क्षेत्र के बढ़ेरा गांव में सोमवार को एक उत्पाती बंदर ने ऐसा आतंक मचाया कि ग्रामीणों में दहशत फैल गई। बंदर ने मच्छरदानी में सो रहे युवक यामीन समेत 10 लोगों को काटकर घायल कर दिया। लगातार हो रहे हमलों से लोग घरों से बाहर निकलने में भी डर रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से बंदर को पकड़वाने की मांग की है। वहीं, जिला अस्पताल में भी प्रतिदिन बंदरों के हमले से घायल आठ से 10 मरीज एंटी रेबीज लगवाने के लिए पहुंच रहे हैं। नगर निगम की ओर से भी बंदरों को पकड़ने के लिए अभियान कुछ दिन के बाद बंद कर दिया गया। ग्रामीणों के अनुसार, यामीन रविवार रात अपने घर में मच्छरदानी लगाकर सो रहे थे। सोमवार सुबह करीब चार बजे एक बंदर मच्छरदानी के अंदर घुस गया और उन पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से यामीन की नींद खुल गई। उन्होंने शोर मचाया तो बंदर वहां से भाग निकला। इसके बाद बंदर ने गांव में उत्पात मचाना शुरू कर दिया। उसने फिरासत, भूप सिंह, दानिश, सतपाल, नरगिस, सुनीता, महजबी, दिलशाद और रामावतार पर हमला कर उन्हें भी काटकर घायल कर दिया। एक ही बंदर के लगातार हमले से गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों के अनुसार, बंदर सामने आने वाले लोगों को निशाना बना रहा है। ऐसे में बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को लेकर चिंता बढ़ गई है। लोग जरूरी काम से भी घरों से बाहर निकलने में डर रहे हैं। घायलों को जिला अस्पताल और प्राइवेट अस्पतालों में उपचार दिलाया जा रहा है। ग्रामीण हशमत अली, नौशाद, विरासत, अहमद हसन, जहांगीर, रिफाकत, सलामत और महफूज ने बताया कि क्षेत्र में पहले से ही तेंदुए की दहशत बनी हुई है। ठाकुरद्वारा एसडीएम को घटना की जानकारी देकर बंदर को पकड़वाने की मांग की। आरोप है कि देर शाम तक गांव में कोई अधिकारी नहीं पहुंचा था। ग्रामीणों ने जल्द कार्रवाई नहीं होने पर किसी बड़ी घटना की आशंका जताई है। एसडीएम अंजनी कुमार मिश्रा ने बताया कि अभी मैं मीटिंग में हूं। मीटिंग से फ्री होने के बाद बताता हूं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर एंटी रेबीज वैक्सीन उपलब्ध है। अस्पताल में पहुंचने वाले मरीजों को उपचार दिया जा रहा है। बंदरों के हमले से जख्मी प्रतिदिन आठ से 10 मरीज पहुंच रहे हैं।- डॉ. कुलदीप सिंह, सीएमओ

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद से लापता दो बहनें गुरुग्राम में मिलीं, सीसीटीवी फुटेज और कॉल डिटेल से मिला सुराग

मुरादाबाद से लापता हुईं दो चचेरी-तहेरी बहनें हरियाणा के गुरुग्राम में मिलीं। पुलिस ने उन्हें परिजनों को सौंप दिया, कोर्ट में उन्होंने अपनी मर्जी से जाने की बात कही।मुरादाबाद से दो किशोरियां संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुईं। पुलिस ने सीसीटीवी और कॉल डिटेल से गुरुग्राम में खोजा। दोनों बहनों ने कोर्ट में अपनी मर्जी से जाने की बात कही।पाकबड़ा निवासी दो किशोरियां संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गईं। दोनों की उम्र करीब 14 वर्ष है और दोनों चचेरी-तहेरी बहनें है। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और कॉल डिटेल के जरिए हरियाणा के गुरुग्राम पहुंच गई। दोनों बहनें गुरुग्राम में मिल गईं। सोमवार को पुलिस ने दोनों के कोर्ट में बयान दर्ज कराए। उन्होंने बताया कि वह अपनी मर्जी से गईं थीं। पुलिस ने दोनों को स्वजन की सुपुर्दगी में दे दिया है। पाकबड़ा क्षेत्र के कैलसा रोड स्थित वेलकम कॉलोनी निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि बेटी और भाई की बेटी 15 अक्टूबर की सुबह करीब साढ़े 11 बजे घर में किसी को बताए बिना कहीं चली गईं। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर दोनों की तलाश शुरू की थी। रविवार की शाम दोनों बहनें गुरुग्राम रेलवे स्टेशन पर मिल गई।

मुरादाबाद से गुजरने वाली 10 स्पेशल ट्रेनों में लगेंगे अतिरिक्त कोच, त्योहारी सीजन में लोगों की मिलेगी

त्योहारों पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने 10 स्पेशल ट्रेनों में अस्थायी रूप से अतिरिक्त एसी कोच लगाने का निर्णय लिया है। इससे यात्रियों को सफर के दौरान सीट मिलने में सहूलियत होगी। आनंद विहार टर्मिनल-लौकहा बाजार स्पेशल ट्रेन में एक नवंबर से 13 नवंबर तक और वापसी में दो से 14 नवंबर तक एसी प्रथम श्रेणी सह द्वितीय श्रेणी का एक और एसी तृतीय श्रेणी का एक कोच लगाया जाएगा। आनंद विहार टर्मिनल-मुजफ्फरपुर स्पेशल में तीन से 13 नवंबर और वापसी में चार से 14 नवंबर तक इसी श्रेणी के अतिरिक्त कोच लगाए जाएंगे। वाराणसी-दिल्ली स्पेशल में दो से 13 नवंबर और दिल्ली-वाराणसी स्पेशल में तीन से 14 नवंबर तक एसी तृतीय श्रेणी के दो-दो अतिरिक्त कोच लगेंगे।सीनियर डीसीएम महेश यादव ने बताया कि फिरोजपुर कैंट-पटना स्पेशल में तीन से 10 नवंबर और पटना-फिरोजपुर कैंट स्पेशल में चार से 11 नवंबर तक एसी तृतीय श्रेणी के दो-दो कोच लगाए जाएंगे। अमृतसर-बरौनी स्पेशल में एक से 15 नवंबर और बरौनी-अमृतसर स्पेशल में तीन से 17 नवंबर तक एसी तृतीय श्रेणी के दो-दो अतिरिक्त कोच लगाए जाएंगे। रेलवे का उद्देश्य त्योहारों पर यात्रियों को बेहतर और सुगम रेल यात्रा उपलब्ध कराना है।इन ट्रेनों में लगेंगे अतिरिक्त कोच- 04014 - आनंद विहार टर्मिनल-लौकहा बाजार 04013 - लौकहा बाजार-आनंद विहार टर्मिनल 04028 - आनंद विहार टर्मिनल-मुजफ्फरपुर 04027 - मुजफ्फरपुर-आनंद विहार टर्मिनल 04209 - वाराणसी-दिल्ली 04210 - दिल्ली-वाराणसी 04616 - फिरोजपुर कैंट-पटना 04615 - पटना-फिरोजपुर कैंट 04668 - अमृतसर-बरौनी 04667 - बरौनी-अमृतसर

लैटिन अमेरिका से सिंगापुर तक... मुरादाबाद में विदेशों से आ रही क्रिसमस ट्री पर सजाए जाने वाले स्टार-हैंगिंग की मांग

मुरादाबाद के हस्तशिल्प निर्यातक क्रिसमस 2027 के लिए तैयारी में जुट गए हैं, जिसमें लैटिन अमेरिका, मॉरीशस और सिंगापुर के ग्राहकों को नए डिजाइन भेजे जा रहे हैं।मुरादाबाद निर्यातक क्रिसमस 2027 के लिए हस्तशिल्प तैयारी में जुटे। लैटिन अमेरिका, मॉरीशस, सिंगापुर ग्राहकों को भेजे जा रहे नए डिजाइन।धातु कीमतों के कारण आयरन, स्टील उत्पादों पर जोर।क्रिसमस 2027 के लिए मुरादाबाद के हस्तशिल्प निर्यातकों ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। 13 से 17 अक्टूबर तक ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में लगे अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले में लैटिन अमेरिका, मॉरीशस और सिंगापुर के ग्राहकों से निर्यातकों का संपर्क हुआ था। उत्पादों के डिजाइन, आकार और अन्य विवरण की पीडीएफ भेजनी शुरू कर दी है। मेले में विदेशी ग्राहक भी उत्पाद के फोटो क्लिक करके ले गए थे। अब ग्राहकों की पसंद और आर्डर की मात्रा के आधार पर उत्पादों की कीमत तय करने की तैयारी है।विदेशी बाजार में क्रिसमस की सजावट से जुड़े उत्पादों की मांग को देखते हुए निर्यातक कई महीने पहले से डिजाइन तैयार करते हैं।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज़्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

डिलारी में धूं-धूं कर जला 10 फीट का रावण, असत्य पर सत्य की जीत

@ क्यूँ न लिखूँ सच

डिलारी (मुरादाबाद)। विजयदशमी के पावन पर्व पर थाना डिलारी क्षेत्र में बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक रावण दहन किया गया। सर्वोदय इंटर कॉलेज के पीछे स्थित रामलीला मैदान में श्रीआदर्श रामलीला कमेटी डिलारी के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में भगवान श्रीराम के अग्निबाण से 10 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन शाम 5ः40 बजे किया गया। इससे पहले मेघनाथ के पुतले का भी दहन किया गया। रावण का पुतला धूं-धूं कर जलते ही मैदान जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा।

कार्यक्रम का शुभारंभ पताका समारोह के साथ हुआ। इसके बाद रामलीला के कलाकारों ने भगवान श्रीराम और रावण के बीच हुए युद्ध का शानदार मंचन प्रस्तुत किया। रामजी की वानर सेना और रावण की सेना के बीच भीषण युद्ध हुआ, जिसमें अंततः रावण की सेना पराजित हो गई। इसके बाद भगवान श्रीराम और लंकापति रावण के बीच युद्ध हुआ। दोनों के बीच काफी देर तक चले युद्ध में रावण ने अपनी विभिन्न शक्तियों का प्रयोग किया, लेकिन भगवान श्रीराम के बाणों के सामने उसकी एक न चली।

मंचन के दौरान रामभक्त विभीषण ने भगवान श्रीराम को रावण की मृत्यु से जुड़े रहस्य के बारे में बताया। इसके बाद भगवान श्रीराम ने रावण की नाभि पर बाण चलाया। बाण लगते ही रावण धराशायी हो गया और इसके साथ ही बुराई के प्रतीक उसके पुतले का दहन कर दिया गया।

रामलीला मैदान में चारों ओर राम दरबार सहित विभिन्न आकर्षक झांकियां निकाली गईं, जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। रावण दहन के बाद लोगों ने एक-दूसरे को विजयदशमी की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर मेले का भी आयोजन किया गया। मेले में महिलाओं और बच्चों ने जमकर खरीदारी की। बच्चों ने चाट-पकौड़ी का आनंद लिया और झूलों का लुत्फ उठाया। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्सव का माहौल बना रहा। इस दौरान सुरक्षा के मद्देनजर डिलारी पुलिस बल मुस्तैदी के साथ रामलीला मैदान में मौजूद रहा।इस मौके पर आदर्श रामलीला कमेटी डिलारी के पदाधिकारी।अध्यक्ष सत्यवीर सिंह, प्रबंधक राकेश फौजी, उपाध्यक्ष शिशपाल फौजी, उपप्रबंधक बलराम सिंह, सहित कमेटी के अन्य पदाधिकारी और थाना डिलारी सह पुलिस बल, एवं भक्त मौजूद रहे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण में DM अविनाश सिंह के कड़े तेवर –लापरवाही पर होगी सीधी कार्रवाई

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। (ब्यूरो) जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान और 24 अक्टूबर को होने वाले विशेष अभियान दिवस की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।?एसआईआर में पूर्व में काम कर चुके बीएलओ को प्राथमिकता दें। एसडीएम अपने क्षेत्रों में बीएलओ के साथ बैठक कर आयोग के निर्देश स्पष्ट समझाएं।सोशल मीडिया व हर क्षेत्र में सोशल मीडिया टीम गठित कर अभियान का प्रचार-प्रसार और मॉनिटरिंग की जाए। बीआरसी स्तर पर लापरवाही मिलने पर दंडात्मक कार्रवाई होगी। प्रत्येक बूथ पर शत-प्रतिशत ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग और कैमरों की कार्यशीलता सुनिश्चित की जाए। ?21 अक्टूबर से शुरू हो रहे प्रशिक्षण में कार्मिकों की शत-प्रतिशत भागीदारी रहे और आमजन की जानकारी के लिए फ्लोचार्ट नोटिस बोर्ड पर चस्पा किए जाएं।

बैठक में एडीएम संतोष कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा सहित सभी उप जिलाधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षक निर्वाचन: एडीएम ने परखीं व्यवस्थाएं, समय से काम पूरा करने के निर्देश?

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। (पं सत्यम शर्मा) आगामी बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन को निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से कराने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मंगलवार को उप जिला निर्वाचन अधिकारी व एडीएम (वित्त एवं राजस्व) संतोष कुमार सिंह ने संजय गांधी कम्युनिटी हॉल का स्थलीय निरीक्षण किया।

?निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदान दलों की रवानगी (डिस्पैच टेबल), सामग्री जमा करने हेतु रिसीविंग टेबल और स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि निर्वाचन से जुड़ी सभी तैयारियां समय सीमा में पूरी की जाएं और व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। इस अवसर पर तहसीलदार सदर, तहसीलदार मीरगंज सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

छात्रसंघ चुनाव से पहले इंतजामिया ने लिया बड़ा फैसला, यासिर फहद का निलंबन निरस्त

यासिर फहद को 14 सितंबर को डक पॉन्ड से बाब-ए-सैयद तक विरोध मार्च निकालने और यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने के आरोपों में निलंबित किया गया था। उसके बाद अनशन और फिर छात्रसंघ चुनाव की घोषणा कर दी गई थी।अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) में छात्र यासिर फहद का निलंबन निरस्त किए जाने से छात्र राजनीति में हलचल तेज होने के आसार हैं। एमए उर्दू के छात्र और एसएस नॉर्थ हॉल के यासिर फहद को 14 सितंबर 2026 को डक पॉन्ड से बाब-ए-सैयद तक विरोध मार्च निकालने और यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने के आरोपों में निलंबित किया गया था।यासिर ने करीब 10 अन्य लोगों के साथ बाब-ए-सैयद के मुख्य प्रवेश द्वार पर अवरोध पैदा किया। ज्ञापन में इलाहाबाद हाईकोर्ट के निर्देशों के उल्लंघन, विश्वविद्यालय पदाधिकारियों के खिलाफ आपत्तिजनक नारेबाजी और छात्राओं से जुड़े मामलों पर भ्रामक दावे करने के आरोप भी लगाए गए थे। प्रॉक्टर प्रो. मोहम्मद नफीस अहमद अंसारी ने बताया कि छात्र यासिर फहद का निलंबन निरस्त कर दिया गया है।

भाजपा नेता के ईंट प्लांट में चोरी, जंगला काटकर चुरा ले गए इनवर्टर-बैटरी, पुलिस जांच में जुटी

भाजयुमो के पूर्व जिला अध्यक्ष चौधरी चंद्रवीर सिंह के ईंट प्लांट में सोमवार रात चोरी हुई। चोरों ने जंगला काटकर इन्वर्टर और बैटरी चुरा ली। चंद्रवीर सिंह ने मुरसान थाने में शिकायत दर्ज कराई।मुरसान क्षेत्र के गांव कंचना में भाजयुमो के पूर्व जिला अध्यक्ष चौधरी चंद्रवीर सिंह के ईंट प्लांट में सोमवार रात चोरी हो गई। चोरों ने कमरे का जंगला काटकर वहां रखे इन्वर्टर और बैटरी चुरा ली। चंद्रवीर सिंह ने बताया कि उनका ईंट प्लांट कंचना फाटक से पहले उदयभान-कंचना मार्ग पर स्थित है। सोमवार शाम वह प्रतिष्ठान पर लाइट जलाकर मुरसान कस्बे गए थे। रात में वापस लौटने पर उन्होंने कमरे की लाइटें बंद देखीं। कमरे को खोलने पर पीछे का जंगला कटा हुआ मिला और इन्वर्टर-बैटरी गायब थे। उन्होंने तत्काल डायल 112 पर सूचना दी। बाद में चंद्रवीर सिंह ने मुरसान थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई और कानूनी कार्रवाई की मांग की। मुरसान कोतवाली प्रभारी गिरीश चंद्र गौतम ने बताया कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

राज्यमंत्री डॉ. अरुण कुमार की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में भर्ती के बाद हालत स्थिर?

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।(पं सत्यम शर्मा) उत्तर प्रदेश सरकार के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री डॉ. अरुण कुमार की सोमवार देर रात अचानक तबीयत बिगड़ गई। सिविल लाइंस स्थित आवास पर रात करीब 11ः30 बजे खाना खाते समय वह अचानक बेहोश हो गए, जिससे परिजनों में हड़कंप मच गया। डॉक्टरों की निगरानी में मंत्री परिजनों ने तत्काल उन्हें गांधी उद्यान स्थित गंगाचरण अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें होश आ गया। एहतियात के तौर पर उन्हें आईसीयू में चिकित्सकों की कड़ी निगरानी में रखा गया है। परिजनों ने दी राहत भरी खबर राज्यमंत्री के प्रतिनिधि शुभम मेहरोत्रा और उनके भाई एडवोकेट अनिल कुमार सक्सेना ने बताया कि अत्यधिक व्यस्तता और कमजोरी के चलते उनकी तबीयत बिगड़ी थी। इलाज के बाद अब उनके स्वास्थ्य में सुधार है और स्थिति पूरी तरह सामान्य व स्थिर है।

रावण दहन स्थलों पर पहुंचे, एसपी सिटी चिराग जैन?

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।(पं सत्यम शर्मा) बरेली। आगामी त्योहारों के मद्देनजर नए एसपी सिटी चिराग जैन ने मंगलवार को प्रेमनगर क्षेत्र में रावण दहन स्थलों का निरीक्षण किया।

एसएसपी अनुराग आर्य के निर्देशन में उन्होंने हार्टमैन स्कूल और अशरफ खां छावनी स्थित आयोजन स्थलों पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्थाओं की जमीनी हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान एसपी सिटी ने आयोजकों से तैयारियों की जानकारी ली और पुलिस बल को कड़े निर्देश दिए? रावण दहन के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रहे। कार्यक्रम में जुटने वाली भीड़ की सुरक्षा और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि लोगों को कोई असुविधा न हो। सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

महाकाली दरबार में गूंजे वैदिक मंत्र : 10 दिवसीय शारदीय हवन का पूर्णाहुति के साथ समापन?

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली (पं सत्यम शर्मा) । माँ महाकाली दरबार एवं हनुमान मंदिर सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में इज्जतनगर रेलवे स्टेशन स्थित मंदिर परिसर में चल रहे 10 दिवसीय शारदीय नवरात्रि हवन अनुष्ठान का मंगलवार को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भव्य समापन हुआ।

श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से आहुतियां देकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की।

समापन अवसर पर मुख्य अतिथि वेद प्रकाश कातिब और गुरु अरविंद कुमार ने हवन कुंड में आहुति दी। वहीं, इंदिरानगर वार्ड के पार्षद सतीश कातिब उर्फ मामा ने माँ महाकाली व हनुमान जी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन शाम 7ः30 से 8ः30 बजे तक चले इस धार्मिक अनुष्ठान के अंतिम दिन हलवा-चना के प्रसाद का वितरण किया गया।

आयोजन को सफल बनाने में ट्रस्ट अध्यक्ष अरविंद कुमार, उपाध्यक्ष रजनीश सक्सेना, महासचिव प्रभु दयाल शर्मा, कोषाध्यक्ष रिंकी भारती, मीडिया प्रभारी अमित सक्सेना, अर्चना सिंह, मंजू शर्मा, सरोज यादव, शीतल, प्रभा (डोली), ममता, कमलेश, कपिल सक्सेना, सुरेश पाल और भावना सहित कई कार्यकर्ताओं का सक्रिय योगदान रहा। अंत में माँ महाकाली और बजरंगबली के जयकारों से पूरा परिसर गुंजायमान हो उठा।

विजयदशमी के पर्व पर राष्ट्रीय बजरंग दल के लोगों ने किया शस्त्र पूजन

@ क्यूँ न लिखूँ सच

फतेहगंज पश्चिमी। अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय के महापर्व विजयादशमी के पावन अवसर पर आज मंगलवार को कस्बा फतेहगंज पश्चिमी में अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के संयुक्त तत्वावधान में भव्य शस्त्र पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रदेश अध्यक्ष रौनक ठाकुर, जिला अध्यक्ष रोहित गंगवार, अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष अमित गंगवार का सभी पदाधिकारीयों और कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाएं पहनाकर जय श्री राम जयकारों के साथ भव्य स्वागत व अभिनंदन किया।

इसके उपरांत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पारंपरिक शस्त्रों का विधि-विधान से पूजन व तिलक कर आरती उतारी गई। समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष रौनक ठाकुर ने कहा कि सनातन संस्कृति में शास्त्र और शस्त्र दोनों का अटूट समन्वय रहा है।

भगवान श्रीराम से लेकर भगवान श्रीकृष्ण तक सभी ने आवश्यकता पड़ने पर धर्म, मर्यादा और समाज की रक्षा के लिए शस्त्र धारण किए। उन्होंने कहा कि शस्त्र पूजन हमारी शौर्य और स्वाभिमान की प्राचीन परंपरा है, जो हमें संगठित होकर धर्म विरोधी ताकतों के सामने सीना तानकर खड़े होने की प्रेरणा देती है। इसके बाद राष्ट्रीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष रोहित गंगवार ने अपने संबोधन में कहा कि विजयादशमी का दिन शक्ति संचय और संकल्प का दिन है। समाज को सुरक्षित और सशक्त बनाए रखने के लिए युवाओं को अपने गौरवशाली इतिहास और परंपराओं से जुड़ना होगा। इस मौके पर राष्ट्रीय महिला परिषद की प्रांत अध्यक्ष सोमिल अग्रवाल एवं अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष अमित कुमार गंगवार ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति किसी पर अत्याचार करना नहीं सिखाती, लेकिन आत्मरक्षा और अधर्म के दमन के लिए शक्ति की उपासना अनिवार्य है। कार्यक्रम में एएचपी जिला मंत्री अशोक त्रिपाठी, राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला मंत्री आदेश गंगवार, जिला मंत्री इंद्रपाल, अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के फतेहगंज पश्चिमी नगर अध्यक्ष डॉ मुदित प्रताप सिंह, नगर मंत्री गौरव शर्मा, गौरी शंकर, कमल कश्यप, शिवा राठौर, रिंकू कश्यप, विजय गंगवार, चन्देश, रामबाबू, अर्जुन, विजय मौर्य सहित संगठन के तमाम पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पारंपरिक श्रद्धा से मनाई महानवमी और विजयदशमी, नवचंडी यज्ञ की हुई पूर्णाहुति, भंडारों में उमड़ी भीड़

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । मंगलवार को क्षेत्र में महानवमी और विजयदशमी का पर्व पारंपरिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। घरों में दशहरा पूजन करके बुराइयों के अंत की प्रार्थना प्रभु राम से की गई। सुन्दर महल स्योंडारा में व्यास श्रीगोपाल शर्मा ने मंत्रोच्चार के साथ दशहरा पूजन कराया जिसमें गन्ना विकास परिषद के पूर्व अध्यक्ष कुंवर कपिल राज यादव मुख्य यजमान के रूप में शामिल रहे। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी व महल के कर्मचारियों को मिष्ठान व वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इधर श्री राम आश्रम काली मंदिर सहसपुर में चल रहे नवचंडी यज्ञ में पूर्णाहुति हुई। यजमान के रूप में भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष केके गुप्ता भी शामिल हुए। यहां स्वामी शिवानंद श्री राम आश्रम ट्रस्ट के द्वारा भंडारे का आयोजन किया जिसमें अध्यक्ष गौरव गुप्ता, राहुल वर्मा, मोहनलाल शर्मा, अवधेश कुमार शर्मा, आशीष शर्मा एडवोकेट, प्रधानाचार्य राजीव कुमार शर्मा आदि ने सहयोग किया। मंदिर में महाकाली के स्वरूप में कलाकारों ने प्रदर्शन भी किया, बड़ी संख्या में महिला पुरुष श्रद्धालुओं ने पहुंचकर माता काली के चरणों में माथा देखकर आशीर्वाद प्राप्त किया, संतोषी माता, दुर्गा माता, सरस्वती माता, श्री राम मंदिर, श्री हनुमान मंदिर के अलावा आश्रम के संस्थापक ब्राह्मलीन स्वामी शिवानंद सरस्वती की प्रतिमा, नवग्रह मंदिर के दर्शन करने के उपरांत यज्ञशाला की परिक्रमा भी की। पंडित राघवेंद्र शर्मा ने श्रद्धालुओं को काली माता सिद्धिदात्री माता के बारे में विस्तार से बताया।

सहसपुर निवासी मनीष शर्मा ने भी भंडारे का आयोजन किया वितरण में पंडित भुनेश्वर प्रसाद शर्मा, मोहित शर्मा आदि ने सहयोग किया।

गंदे पानी की छींटों से मकान-दुकान प्रभावित, दुर्गंध और मच्छरों से लोग बेहाल; कई बार ज्ञापन देने के बाद भी समाधान नहीं

सहसपुर में हाईवे किनारे जलभराव बना स्थायी समस्या, राहगीर और दुकानदार परेशान

बिलारी @ क्यूँ न लिखूँ सच । मुरादाबाद-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 509 पर बिलारी के निकट स्थित ऐतिहासिक गांव रुस्तम नगर सहसपुर में हाईवे किनारे जलभराव की समस्या स्थायी रूप लेती जा रही है। कई वर्षों से बनी इस समस्या का समाधान नहीं होने से राहगीरों, दुकानदारों और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिम्मेदार विभागों के बीच जिम्मेदारी को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं होने से समस्या जस की तस बनी हुई है। हाईवे किनारे जमा गंदे पानी के कारण आसपास रहने वाले लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। यहां कई मकानों के दरवाजे और दुकानें सड़क के किनारे हैं। वाहनों के गुजरने से गंदे पानी की छींटें दुकानों और मकानों तक पहुंचती हैं। इससे लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। आसपास स्थित मस्जिद में नमाज अदा करने जाने वाले लोगों के कपड़े भी गंदे पानी की छींटों से खराब हो जाते हैं। जलभराव के कारण दुर्गंध का वातावरण बना रहता है और मक्खी-मच्छरों की संख्या भी बढ़ रही है। दुकानदारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो रहा है। गंदे पानी के कारण ग्राहक दुकानों पर आने से कतराते हैं। कई दुकानदारों को अपनी दुकानों तक पहुंचने के लिए ईंटें और पटले डालने पड़े हैं। इसके बावजूद कई बार दुकानों पर ग्राहक नहीं पहुंचते, जिससे उनकी आजीविका बुरी तरह प्रभावित हो रही है। जलभराव का असर होली चौक और सब्जी मंडी पर भी पड़ रहा है। पीड़ित एहसान सैफी का कहना है कि इसी मार्ग से गांव में प्रवेश होता है। यहां से बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे भी गुजरते हैं। वाहनों के आवागमन के दौरान गंदे पानी की छींटें बच्चों की स्कूल ड्रेस और बस्तों पर पड़ती हैं। इससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, जलभराव का प्रमुख कारण नाले के पानी की निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होना है। नाले का पानी आगे नहीं निकल पाता, जिसके चलते हाईवे किनारे लगातार जलभराव बना रहता है। युवक संघ के पदाधिकारी डॉ. चरन सिंह सहित अन्य लोगों ने समस्या के समाधान की मांग को लेकर अधिकारियों को कई बार ज्ञापन भी दिए, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।मामले में पंचायत राज विभाग का कहना है कि संबंधित नाला भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) का है, इसलिए वह इसमें कुछ नहीं कर सकता। दूसरी ओर, स्थानीय लोगों का आरोप है कि एनएचएआई भी समस्या के समाधान को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहा है। विभागों के बीच जिम्मेदारी स्पष्ट नहीं होने का खामियाजा ग्रामीणों और दुकानदारों को भुगतना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने संबंधित अधिकारियों से नाले की निकासी व्यवस्था दुरुस्त कराकर जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है।

विजयदशमी पर प्राचीन शिव मंदिर में किया जलाभिषेक, सुख-शांति की कामना

भगवान भोलेनाथ सहित विभिन्न देवी-देवताओं का विधि-विधान से पूजन, मृत्युंजय और विजय महामंत्र का किया जाप

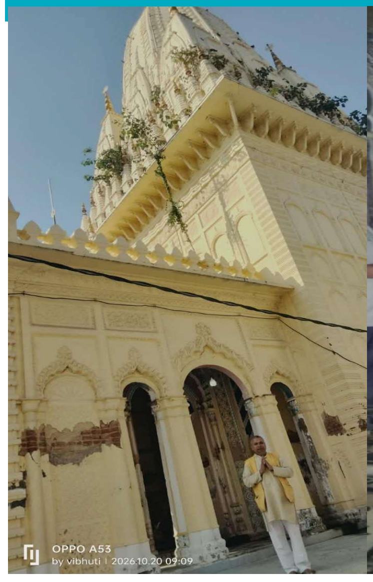

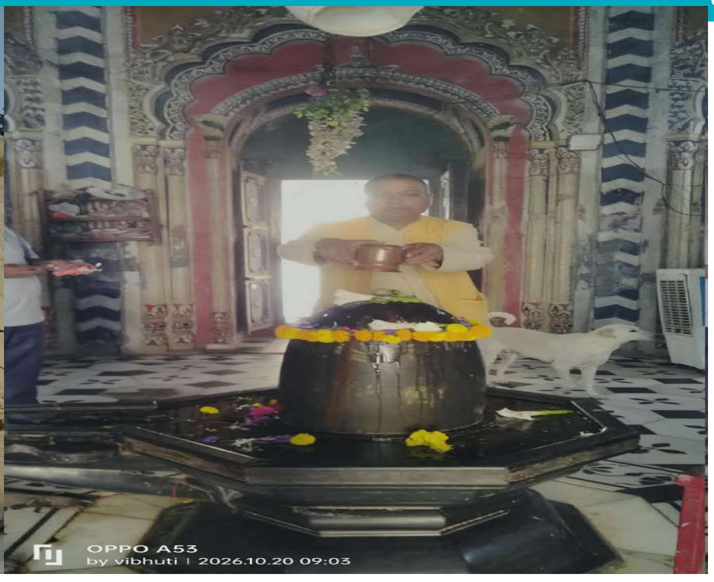

मोहनलालगंज (लखनऊ)। विजयदशमी के पावन पर्व पर मोहनलालगंज स्थित अति प्राचीन शिव मंदिर में श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से जलाभिषेक एवं पूजन किया। इस दौरान सभी के कल्याण, सुख-शांति और समृद्धि की कामना की गई। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव को शमी पत्र, श्वेतार्क, अपराजिता, धतूरा, भांग, बिल्व पत्र और सुगंधित पुष्प अर्पित किए। पूजन के दौरान भगवान भोलेनाथ के साथ मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण, मां दुर्गा, शनिदेव, मां काली और नंदी भगवान सहित अन्य देवी-देवताओं की आराधना की गई। श्रद्धालुओं ने विशेष जलाभिषेक के साथ मृत्युंजय महामंत्र और विजय महामंत्र का जाप किया। साथ ही राम नाम की महिमा का स्मरण करते हुए राम नाम जप किया। पूजन कार्यक्रम में हर्ष तिवारी, पंडित विभूति नारायण मिश्र, गुनगुन तिवारी, पंडित जयप्रकाश तिवारी, बबिता तिवारी और जिया तिवारी ने विशेष सहयोग किया। इस अवसर पर दंत चिकित्सक सोहन यादव, कुलदीप यादव, सचिन यादव और दंत चिकित्सा के विद्यार्थी कार्तिक यादव भी उपस्थित रहे।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार विजयदशमी पर शस्त्र पूजन और शमी पत्र की पूजा का विशेष महत्व है। इस पर्व पर नीलकंठ पक्षी के दर्शन को भी शुभ माना जाता है। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना के माध्यम से धर्म, सदाचार और विजय के प्रतीक इस पर्व को श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया।

रामलीला में कुंभकरण और मेघनाद वध का सजीव मंचन, सुलोचना के सती होने के प्रसंग ने किया भावुक

पोंडा खेड़ा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, कलाकारों के अभिनय ने जीवंत किए रामायण के प्रसंग

बिलारी@ क्यूँ न लिखूँ सच । मंदिर पोंडा खेड़ा के विशाल मैदान में सनातन धर्मार्थ ट्रस्ट (रजि.) के तत्वावधान में चल रही श्रीरामलीला में कुंभकरण वध, मेघनाद वध और सुलोचना के सती होने के प्रसंगों का सजीव मंचन किया गया। कलाकारों के प्रभावशाली अभिनय और दमदार संवादों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। रामलीला देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। मंचन में दिखाया गया कि लक्ष्मण के मूर्छा से जागने के बाद श्रीराम और रावण की सेनाओं के बीच फिर से भीषण युद्ध शुरू हो गया। अपनी सेना को मजबूत करने के लिए रावण ने कुंभकरण को जगवाया। कुंभकरण ने रावण को माता सीता को भगवान श्रीराम को लौटाने और अधर्म का मार्ग छोड़ने की सलाह दी, लेकिन अहंकार में डूबे रावण ने उसकी बात अनसुनी कर दी। इसके बाद भगवान श्रीराम और कुंभकरण के बीच भीषण युद्ध हुआ। अंततः श्रीराम ने कुंभकरण का वध कर दिया। भाई की मृत्यु से क्रोधित रावण ने अपने पुत्र मेघनाद को युद्ध के लिए भेजा। मेघनाद और लक्ष्मण के बीच भीषण संग्राम हुआ, जिसमें लक्ष्मण ने मेघनाद का वध कर दिया। मेघनाद की मृत्यु का समाचार सुनकर उसकी पत्नी सुलोचना शोक में डूब गई। वह अपने पति का शीश लेने के लिए भगवान श्रीराम के पास पहुंची। भगवान श्रीराम ने उसकी भावनाओं का सम्मान करते हुए मेघनाद का शीश उसे सौंप दिया। इसके बाद सुलोचना के सती होने के मार्मिक प्रसंग का मंचन किया गया। इस दृश्य को देखकर दर्शक भावुक हो उठे। कलाकारों ने अपने अभिनय और संवादों से रामायण के प्रसंगों को मंच पर जीवंत कर दिया। मंचन के माध्यम से संदेश दिया गया कि अहंकार और अधर्म का अंत निश्चित है तथा सत्य, धर्म और न्याय की सदैव विजय होती है। श्री सनातन धर्म रामलीला क्लब सोडारा की ओर से रामलीला का मंचन कराया जा रहा है। आयोजन को सफल बनाने में पंकज चौहान, दुष्यंत चौहान, संजय सक्सेना, राजू प्रजापति और अजय पाल सहित अन्य लोगों का विशेष सहयोग रहा।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

शिवा शर्मा हत्याकांड में मॉडल श्रद्धा दुबे नागपुर से गिरफ्तार, बहन और ड्राइवर भी पकड़े गए

कारोबारी शिवा शर्मा की मौत के मामले में फरार चल रही मॉडल श्रद्धा दुबे को नागपुर से गिरफ्तार किए जाने की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने उसकी बहन और ड्राइवर दानिश को भी हिरासत में लिया है। तीनों को लखनऊ लाकर पूछताछ किए जाने की बात कही गई है।कारोबारी शिवा शर्मा की मौत के मामले में फरार चल रही मॉडल श्रद्धा दुबे को नागपुर से गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने श्रद्धा के साथ उसकी बहन और ड्राइवर दानिश को भी हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि तीनों को मंगलवार को ही लखनऊ लाया जाएगा। श्रद्धा 11 दिन से फरार थी। वह लखनऊ से सीतापुर होते हुए बहराइच के रास्ते नेपाल पहुंच गई थी। दरअसल, 9 अक्तूबर 2026 को थाना हजरतगंज पर वादिनी रंजना शर्मा की लिखित तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था। इस मामले में कारोबारी शिवा शर्मा की मौत के बाद से ही आरोपी श्रद्धा दुबे, रश्मि दुबे और चालक दानिश फरार चल रहे थे, जिन पर पुलिस की ओर से 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।कारोबारी शिवा शर्मा की मौत के मामले में आरोपी मॉडल श्रद्धा दुबे की गिरफ्तारी को लेकर एडीजी लॉ एंड ऑर्डर अमिताभ यश ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर लाकर लखनऊ कोर्ट में पेश करने की प्रक्रिया जारी है।अमिताभ यश के मुताबिक, श्रद्धा दुबे को पुलिस के तौर-तरीकों, कार्यप्रणाली और तकनीकी पहलुओं की जानकारी थी। इसी वजह से उसकी गिरफ्तारी में समय लगा। उन्होंने कहा कि आखिरकार पुलिस को उसे पकड़ने में सफलता मिल गई है।कारोबारी शिवा शर्मा की मौत के मामले में 50 हजार रुपये की इनामी आरोपी मॉडल श्रद्धा दुबे को लेकर नया खुलासा सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, श्रद्धा आगरा के ताज नगरी फेज-1 स्थित ओम पैलेस होटल में करीब 24 घंटे तक रुकी थी। होटल से जुड़े सीसीटीवी फुटेज सामने आने की बात कही जा रही है।रिपोर्ट के अनुसार, 17 अक्तूबर की सुबह 6ः33 बजे श्रद्धा से जुड़ी बताई जा रही एक गाड़ी ओम पैलेस होटल पहुंची। इसके करीब 20 मिनट बाद, सुबह 6ः53 बजे श्रद्धा होटल में दाखिल हुई। गाड़ी का नंबर यूपी 32 आरटी 8043 बताया गया है। मीडिया रिपोर्ट में गाड़ी की तस्वीर सामने आने का भी दावा किया गया है।लखनऊ के कारोबारी शिवा शर्मा की मौत के मामले में आरोपी मॉडल श्रद्धा दुबे को लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को सरकार पर बड़ा हमला बोला। अखिलेश यादव ने कहा कि यह सामान्य केस नहीं है। यह मामला सरकार को ले डूबेगा। माना जा रहा अखिलेश यादव का इशारा श्रद्धा हाईप्रोफाइल कनेक्शन की ओर था, जिसमें कई नामचीन और रसूखदार लोग शामिल हैं। फरारी के दौरान श्रद्धा ने पहला वीडियो जारी करते हुए नामचीन और रसूखदार से उसका नाम नहीं जोड़ने की बात कही थी। वहीं, कारोबारी शिवा को धमकाते हुए पुराने वायरल ऑडियो में भी श्रद्धा उसकी शिकायत किसी सर से करने की बातें कह रही थी।

दशहरा पर्व पर शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन

जिला पंचायत अध्यक्ष, विधायक तथा कलेक्टर व एसपी ने सहभागिता निभाई

@ क्यूँ न लिखूँ सच

विदिशा (हाकम सिंह रघुवंशी) विदिशा पुलिस लाइन में दशहरा पर्व पर आयोजित शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गीता कैलाश रघुवंशी, विधायक श्री मुकेश टण्डन, कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी, वन मण्डलाधिकारी श्री हेमंत यादव अन्य जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने सहभागिता निभाई ।

विधि विधान पूजन कार्यक्रम के उपरांत पुलिस द्वारा उपयोग किए जाने वाले सभी प्रकार के शस्त्रों को रखा गया था। हवन

जिला पंचायत अध्यक्ष, विधायक, कलेक्टर व एसपी सहित अन्य के द्वारा हवन में शामिल होकर आहुतियां दी हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष श्री तोरण सिंह दांगी, कॉ-आपरेटिव बैंक के पूर्व अध्यक्ष श्री श्याम सुन्दर शर्मा, ग्यारसपुर जनपद पंचायत के पूर्व अध्यक्ष श्री छत्रपाल शर्मा, समेत अन्य जनप्रतिनिधि अन्य जनप्रतिनिधिगण, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोनिका तिवारी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी गण मीडिया कर्मी मौजूद रहे।

विजयादशमी पर रावण-मेघनाद का ऐतिहासिक युद्ध, 174 साल पुरानी परंपरा देखने उमड़ते हैं हजारों लोग

@ क्यूँ न लिखूँ सच

जालौन (राजेंद्र विश्वकर्मा) कोंच नगर में विजयादशमी का पर्व अपनी अनूठी ऐतिहासिक परंपरा और भव्य दशहरा मेले के लिए विशेष पहचान रखता है। यहां धनुताल मैदान में आयोजित होने वाली ऐतिहासिक मैदानी रामलीला में भगवान श्रीराम और रावण तथा लक्ष्मण और मेघनाद के बीच सजीव युद्ध का रोमांचक मंचन किया जाता है। इस अनोखे आयोजन को देखने के लिए कोंच नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु और दर्शक पहुंचते हैं।

मैदान में दौड़ाए जाते हैं रावण और मेघनाद के विशाल पुतले- कोंच के दशहरा मेले की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां अन्य स्थानों की तरह केवल रावण के पुतले का दहन नहीं किया जाता, बल्कि रावण और मेघनाद के विशालकाय पुतलों को बड़े पहियों वाले रथों पर बांधकर मैदान में दौड़ाया जाता है। इसके बाद भगवान श्रीराम और लक्ष्मण के साथ उनके युद्ध का सजीव दृश्य प्रस्तुत किया जाता है।

युद्ध के दौरान लक्ष्मण को मेघनाद की शक्ति लगने और भगवान हनुमान द्वारा संजीवनी बूटी लाने का प्रसंग भी दर्शाया जाता है। इसके बाद लक्ष्मण के स्वस्थ होने और युद्ध में दोबारा शामिल होने का दृश्य दर्शकों को रामायण की याद दिलाता है। अंत में अधर्म के प्रतीक रावण और मेघनाद के वध के साथ बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दिया जाता है।

174 साल पुरानी परंपरा है कोंच की रामलीला- कोंच नगर की ऐतिहासिक मैदानी रामलीला लगभग 174 वर्षों से चली आ रही परंपरा के रूप में जानी जाती है। इसकी खासियत यह है कि रामलीला के प्रमुख पात्रों का अभिनय स्थानीय कलाकारों द्वारा किया जाता है। मैदान में युद्ध के दृश्यों को पारंपरिक तरीके से जीवंत किया जाता है, जिससे यह आयोजन अन्य स्थानों के दशहरा उत्सव से अलग दिखाई देता है।

दशहरा मेले में बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों की भारी भीड़ जुटती है। आसपास के गांवों के लोग भी इस अनूठे युद्ध को देखने के लिए पहुंचते हैं। यह आयोजन कोंच नगर की सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक आस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

मुस्लिम कारीगर परिवार निभा रहा पुतले बनाने की परंपरा- कोंच की रामलीला की एक और विशेष पहचान गंगा-जमुनी तहजीब है। यहां रावण और मेघनाद के विशाल पुतले तैयार करने का काम मुस्लिम कारीगर परिवार कई दशकों से करता आ रहा है। स्थानीय कारीगर वहीद और उनके परिवार की कई पीढ़ियां इस परंपरा को आगे बढ़ाने में योगदान देती रही हैं। बांस, कागज और अन्य सामग्री से तैयार किए जाने वाले विशाल पुतलों को इस तरह बनाया जाता है कि वे मैदान में रथों के सहारे दौड़ाए जा सकें। कारीगरों की मेहनत और हुनर के बिना इस अनूठे आयोजन की कल्पना करना मुश्किल है। यह परंपरा धार्मिक सद्भाव, आपसी भाईचारे और साझा सांस्कृतिक विरासत का संदेश देती है।

दशहरा मेले को लेकर प्रशासन भी सतर्क- विजयादशमी और दशहरा मेले को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन एवं पुलिस द्वारा तैयारियां की गई हैं। जिलाधिकारी समीर वर्मा और पुलिस अधीक्षक सुरेश चन्द्र रावत ने कोंच में मेला स्थल और धनुतालाब स्थित मूर्ति विसर्जन स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, सीसीटीवी निगरानी, यातायात व्यवस्था और मूर्ति विसर्जन के दौरान आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आस्था, परंपरा और भाईचारे का संगम- कोंच का दशहरा मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि नगर की ऐतिहासिक पहचान और सामाजिक एकता का प्रतीक भी है। रावण-मेघनाद के पुतलों का मैदान में दौड़कर युद्ध करना, स्थानीय कलाकारों की भागीदारी और मुस्लिम कारीगरों द्वारा पीढ़ियों से निभाई जा रही जिम्मेदारी इस आयोजन को खास बनाती है।यही वजह है कि कोंच की ऐतिहासिक रामलीला और दशहरा मेला बुंदेलखंड की सांस्कृतिक विरासत में विशिष्ट स्थान रखता है और हर वर्ष लोगों के आकर्षण का केंद्र बनता है।

मिशन शक्ति के तहत लोगों को किया जागरूक

@ क्यूँ न लिखूँ सच

जनपद बदायूं में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-6.0) के तहत एसएसपी अंकिता शर्मा के निर्देशन में मिशन शक्ति केन्द्र द्वारा सम्मान व फीडबैक तथा मिशन शक्ति जागरुकता कार्यक्रम के अन्तर्गत थाना बिनावर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम बिलहत पंचायत घर व ग्राम घटपुरी में मिशन शक्ति टीम बिनावर द्वारा ग्राम की आशा कार्यकर्ती ग्राम प्रधान समूह की महिलाओं को एकत्र कर शारदीय नवरात्रि मिशन शक्ति फेस 6 के तहत सरकार द्वारा चलाई जा रही

समस्त जनकल्याणकारी योजना व टोल फ्री नंबरों व साइबर अपराध के बारे में विस्तृत जानकारी देकर सभी को जागरूक किया गया व महिलाओं से उनकी समस्या के बारे में पूछा गया तो महिलाओं ने कोई भी समस्या ना होना बताया वृद्धा पेंशन समूह सुमंगला योजना सामूहिक विवाह योजना आज के बारे में अपनी संतुष्टि सहमति जताई।

इसी दौरान मिशन शक्ति 6.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी0एम0 स्वानिधि योजना, पी0एम0 सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना के बारे में जानकारी दी गयी। शासन द्वारा जारी विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

गंगा एक्सप्रेसवे के पास औद्योगिक गलियारा बनाने की कवायद तेज, 111 हेक्टेयर भूमि की गई अधिगृहीत

बदायूं जिले में गंगा एक्सप्रेसवे के पास औद्योगिक गलियारा के लिए करीब 111 हेक्टेयर भूमि अधिगृहीत कर ली गई है। यूपीडा के अधिकारियों ने बताया कि दिवाली के बाद निर्माण कार्य कराते हुए प्लॉटों का आवंटन शुरू कराए जाने की उम्मीद है।बदायूं जिले का पहला औद्योगिक गलियारा धरातल पर उतारने की कवायद तेज हो गई है। इसे बसाने के लिए गंगा एक्सप्रेसवे और बरेली-मथुरा राष्ट्रीय राजमार्ग के बीच में करीब 111 हेक्टेयर भूमि अधिगृहीत कर ली गई। अब यूपीडा ने प्रोजेक्ट पर काम शुरू कराते हुए कैंप ऑफिस बनाना शुरू कर दिया है। कुछ दिन में कैंप ऑफिस बनकर तैयार हो जाएगा। इसके बाद सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। कई दिन से ट्रकों से मिट्टी मंगाकर एकत्र कराई जा रही है। यूपीडा के अधिकारियों ने बताया कि दिवाली के बाद निर्माण कार्य कराते हुए प्लॉटों का आवंटन शुरू कराए जाने की उम्मीद है। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने गंगा एक्सप्रेसवे बनने के बाद इसके नजदीक औद्योगिक गलियारा बसाने के लिए प्रस्ताव तैयार किया। शासन से अटल इंडस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर के अंतर्गत औद्योगिक गलियारा स्थापित कराने के लिए बदायूं जिले की तहसील सदर के बिनावर क्षेत्र के घटपुरी के पास औद्योगिक गलियारा बसाने के लिए भूमि चयनित की। इसके साथ ही 149.03 करोड़ रुपये स्वीकृत किए थे। यह भूमि गंगा एक्सप्रेसवे से करीब एक किमी दूर और बरेली-मथुरा राष्ट्रीय राजमार्ग से सटी हुई है।111.2 हेक्टेयर भूमि अधिगृहीत - भूमि चयन के बाद यूपीडा ने घटपुरी, औरंगाबाद माफी, कुतुबपुर थरा गांव के पास करीब 134.5 हेक्टेयर भूमि अधिगृहीत करने की कवायद शुरू की। यूपीडा ने गांवों के 500 किसानों से मौजूदा सर्किल रेट से चार गुना दाम पर भूमि अधिगृहीत की। यूपीडा के अधिकारियों ने बताया कि करीब 111.2 हेक्टेयर भूमि को अधिगृहीत कर लिया गया है। शेष करीब 23.2 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण करने के लिए जिला प्रशासन को पत्र लिखा गया है। पत्र मिलने के बाद भूमि अधिग्रहण का कार्य देख रहे एडीएम एफआर महेंद्र श्रीवास्तव ने आगे की कार्यवाही शुरू कराई। भूमि का सर्वे कराकर प्रस्ताव तैयार कर लिया है। एडीएम एफआर ने बताया कि कुछ भूमि अधिग्रहण करने के लिए बची है। उसका प्रस्ताव तैयार कराया है। शेष भूमि का भी जल्द अधिग्रहण कर लिया जाएगा। दातागंज में अलग से भूमि अधिग्रहण कराई जा रही है। इधर, यूपीडा के निदेशक मंडल ने औद्योगिक गलियारे में प्लॉट आवंटन के लिए 5200 रुपये स्क्वायर फिट रेट तय किए हैं। इसी रेट से प्लॉट का आवंटन कराया जाएगा। यूपीडा की वेबसाइट पर भी यही रेट निर्धारित किए हैं। फैक्ट्रियां खुलने से हजारों युवाओं को मिलेगा रोजगार- बिनावर में औद्योगिक गलियारा बदायूं के लिए बड़ी उपलब्धि है। यहां के विभिन्न क्षेत्रों में कुशल युवाओं को रोजगार के लिए साधन खुलेंगे। विभिन्न प्रकार के उद्योग लगने से जिले में विकास की गति भी बढ़ेगी और जिला आर्थिक रूप से भी सशक्त होगा। बिनावर क्षेत्र में ग्राम घटपुरी के पास गंगा एक्सप्रेसवे का इंटरचेंज है। किसानों को भूमि अधिग्रहण के बाद औद्योगिक गलियारे में फैक्ट्रियां लगने की उम्मीद बढ़ गई है। लोगों को लगने लगा है कि यहां फैक्ट्रियां लगने के बाद रोजगार भी मिलेगा। कुछ दिन से भूमि को समतल कराया जा रहा है। मिट्टी एकत्र कर सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। सोमवार को भी ऑफिस निर्माण का कार्य जारी रहा। यूपीडा के प्रोजेक्ट मैनेजर संतोष कुमार ने बताया कि कुछ भूमि अधिग्रहण के लिए शेष रह गई है। बिनावर क्षेत्र में बसाए जा रहे औद्योगिक गलियारे के लिए करीब 111.2 हेक्टेयर भूमि अधिगृहीत कर ली गई है। औद्योगिक गतिविधियां बसाने के लिए कैंप ऑफिस तैयार कराया जा रहा है। इसके तैयार होने के बाद स्टाफ की तैनाती की जाएगी। दिवाली के बाद उद्यमियों के लिए प्लॉटों के आवंटन शुरू हो सकता है।

बेलानारा में नवदुर्गा उत्सव झांकियां लगाई गई मेला मां के दरबार में पूर्ण उत्सव के साथ चला दशहरे तक

जालौन (हाकम सिंह रघुवंशी) एमपी विदिशा जिला के नटेरन तहसील के ग्राम बेलानारा में दुर्गा झांकियां लगाई गई, जिसमें रिंकू रघुवंशी ,तनिष रघुवंशी ,साहू परिवार राजकुमार अहिरवार ,मायावती अहिरवार आदि ने सहभागिता की शिवाजी मंदिर के पास वंशकार परिवार ने दुर्गा झांकी उत्सव के साथ लगाई गई तीसरी झांकी जाटव समूह के द्वारा लगाई गई जिसमें नौ दिनों तक अलग-अलग रामलीला की लीलाएं की गई ।सभी झांकियां पर राम भजन निरंतर चलता रहा दशहरे पर सभी के हवन कन्या भोजन के साथ विसर्जन हुए मां दुर्गा झांकी अगले बरस तू जल्दी आ जय मां दुर्गा जी।

संक्षिप्त समाचार

रामलीला के मंच पर फूहड़ डांस कराने का आरोप, कमेटी पदाधिकारियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज

बिल्सी कस्बे में रामलीला महोत्सव के दौरान मंच पर फूहड़ नृत्य कराया गया। शिकायतकर्ता की तहरीर पर पुलिस ने रामलीला कमेटी के अध्यक्ष, मेला अध्यक्ष सहित पदाधिकारियों और कलाकारों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।बदायूं के बिल्सी कस्बे में गोशाला मेला श्री रामलीला महोत्सव के दौरान रामलीला मंच पर दो दिन पहले फूहड़ नृत्य कराने के आरोप में रामलीला कमेटी के अध्यक्ष, मेला अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों, सदस्यों और कलाकारों के खिलाफ पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। मेला अध्यक्ष भाजपा के नगर अध्यक्ष भी हैं। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि फूहड़ नृत्य और कार्यक्रमों पर प्रतिबंध होने के बावजूद मंच पर इस तरह के कार्यक्रम कराए जा रहे थे। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में शिकायतकर्ता उमेश बाबू वार्ष्णेय ने बताया कि रामलीला महोत्सव आयोजन के लिए प्रशासन से अनुमति ली गई थी। अनुमति में नृत्य आदि पर रोक लगाई गई। इसके बावजूद कमेटी के अध्यक्ष, मेला अध्यक्ष, अनुमति प्राप्तकर्ता और अन्य पदाधिकारियों व सदस्यों पर जानबूझकर शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। शिकायत में कहा गया है कि रामलीला मंच पर भगवान श्रीराम और हनुमान जी के चित्र लगे होने के बावजूद फूहड़ नृत्य कराया जा रहा थे। इससे धार्मिक भावनाएं आहत होने और स्थानीय लोगों में रोष फैला। कमेटी के लोग बोले- किन्नरों ने किया नृत्य -मेला कमेटी के अध्यक्ष संजीव वार्ष्णेय, मेला अध्यक्ष एवं भाजपा के नगर अध्यक्ष आदित्य माहेश्वरी और पदाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण गुप्ता आदि ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि मंच पर नृत्य करने वाले किन्नर थे। वे अपना नेग मांगने आए थे। इसी दौरान उन्होंने नृत्य किया था। कमेटी पर लगाए गए आरोप पूरी तरह गलत हैं। इधर, सीओ आलोक सिद्धू ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। बताया जा रहा है कि पिछले साल शिकायतकर्ता कमेटी में ही शामिल थे, इस बार उन्हें स्थान नहीं मिला था। इन धाराओं में दर्ज हुआ है केस- पुलिस ने धारा 196 बीएनएस में राष्ट्रीय एकता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कार्य करने, धारा 296 (सार्वजनिक स्थान पर अश्लील हरकत या अशांति फैलाना), धारा 299 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने व दुर्भावनापूर्ण कृत्य करने) और धारा 302 में (जानबूझकर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से शब्द बोलना आदि) के आरोप में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

युद्ध की आग में झुलसीं टॉय पिस्टलें, बच्चों का चिर-परिचित खिलौना बनाना अब और हुआ महंगा

अलीगढ़ के कारखानों में तीन रुपये से लेकर 800 रुपये तक की बंदूकें बन रही हैं। इसमें प्लास्टिक से बनने वाली बंदूकों की कीमत 3 से लेकर 25 और 30 रुपये तक होती है। जस्ते और लोहे से बनने वाली डिजाइनर पिस्टल और रिवॉल्वर 400 से लेकर 800 रुपये तक की रेंज में है। यह हूबहू असली पिस्टल और रिवॉल्वर जैसी ही दिखती हैं।इस्राइल-ईरान युद्ध के कारण स्थानीय बंदूक कारोबार बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। दशहरा-दिवाली के मौके पर बच्चों का यह चिर-परिचित खिलौना बनाना अब और महंगा हो गया है, क्योंकि युद्ध के कारण अप्रैल के बाद से पेट्रो केमिकल उत्पादों की कीमतों में लगातार इजाफा हुआ है। इससे प्लास्टिक का दाना 100 से बढ़कर 160 रुपये किलो और एबीएस दाना 140 से बढ़कर 220 रुपये किलो के भाव में पहुंच गया है। इसका असर प्लास्टिक की बंदूक बनाने वाले कारोबार पर पड़ रहा है। अलीगढ़ में प्लास्टिक की बंदूकें बनाने वाले छोटे और बड़े 35 कारखाने हैं। यह सभी कारखाने देहलीगेट, सासनीगेट, पला साहिबाबाद रोड, महेंद्र नगर और पुराने शहर में संचालित हैं। इन कारखानों में रोजाना लगभग 60 हजार से अधिक बंदूकें बनती हैं। इनकी आपूर्ति राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्यप्रदेश, कनार्टक, तमिलनाडु, केरलम सहित पूरे देश की जा रही है। कोलकाता के माध्यम से बंगलादेश और तमिलनाडु के जरिये श्रीलंका तक इनका निर्यात भी होता है, जो वहां के कारोबारी करते हैं।अलीगढ़ के कारखानों में तीन रुपये से लेकर 800 रुपये तक की बंदूकें बन रही हैं। इसमें प्लास्टिक से बनने वाली बंदूकों की कीमत 3 से लेकर 25 और 30 रुपये तक होती है। जस्ते और लोहे से बनने वाली डिजाइनर पिस्टल और रिवॉल्वर 400 से लेकर 800 रुपये तक की रेंज में है। यह हूबहू असली पिस्टल और रिवॉल्वर जैसी ही दिखती हैं। अचानक देखने पर कोई भी असली नकली की पहचान नहीं कर सकता है।इस कारोबार का सालाना चक्र अप्रैल से शुरू होता है, जब कारोबारी पूरे देश में घूम कर अपने ऑर्डर लेते हैं। जून तक ऑर्डर लेने के बाद जुलाई से माल की आपूर्ति शुरू हो जाती है। दशहरा तक बंदूकों की आपूर्ति भेजी जाती है, जो दिवाली और उसके बाद तक दुकानों में बेची जाती हैं। इधर, कारखानों में रोजाना मशीनों से इनका उत्पादन होता रहता है। कनस्तर की टिन से हुई थी शुरुआत- बंदूकों को बनाने की शुरुआत लगभग 50 वर्ष पहले पला रोड पर हुई थी। जब खाली कनस्तर के टिन को सपाट कर इसी टिन की बंदूकें बनाई गईं। उसके बाद लोहे की पतली चादरों से इन्हें बनाया गया, फिर प्लास्टिक से इनका निर्माण शुरू हुआ। इस बीच चीन से भी ऐसी प्लास्टिक की बंदूकें आने लगीं, जिनकी डिजाइन देखकर यहां के उद्यमियों ने सुधार किया। इसके बाद प्लास्टिक और मेटल की बेहतरीन बंदूकें यहां बनना शुरू हो गया।

Those buying gifts for their wives on Karva Chauth should beware: Avoid these four mistakes, or your bank account could be emptied.

When buying gifts for your wife on Karva Chauth, beware of fake websites, fake discounts, and suspicious payment links. A small mistake made in haste could expose your banking information to cyber criminals, and you could lose your hard-earned money. Karva Chauth is considered a symbol of love and trust in the relationship between husband and wife. On this day, most husbands buy sarees, jewelry, smartphones, cosmetics, or other special gifts for their wives. The convenience of online shopping during the festival has made it easy to order goods from the comfort of their homes. While most people shop online for their wives, cyber criminals can also target people with attractive offers, fake websites, and fake payment links. Therefore, when buying gifts for your wife, it's not enough to focus solely on price and design. It's important to consider other factors as well. Otherwise, your bank account could be emptied. So let's learn about four such mistakes, by avoiding which you can keep your hard-earned money safe and also buy a gift for your wife this Karva Chauth. What mistakes should you avoid while buying a gift for your wife online on Karva Chauth? Don't make the mistake of buying gifts from unknown apps or websites. Many attractive advertisements appear on social media during festivals. Some advertisements claim to offer expensive jewelry, smartwatches, or branded goods at very low prices. Not every cheap offer is a scam, but blindly trusting an unknown website can be risky. Therefore, before shopping online, make sure to check whether the app or website is genuine or fake. Falling prey to fake discounts and offers. Cyber ??criminals often pressure you to make an immediate payment by claiming it's a limited-time offer. They may send messages claiming that the huge discount will expire in a few minutes. Never make a payment without first checking if the offer is genuine. Always check the company's official website or app to see if the offer is genuine. Avoid sharing anything from UPI PIN to OTP during online payments. Avoid giving your UPI PIN number, banking password, and OTP. If someone asks you to enter your UPI PIN in the name of gift delivery, refund, or offer, know that it's fake. Always remember that entering the UPI PIN number is not required to receive money. OTP is required only when receiving goods. If you have one, check it before giving it to see if it is necessary or not. Avoid offers that come on emails - Fraudsters send fake offers to people on their emails. These may include Karva Chauth sale, huge discounts and many other tempting offers. These may look absolutely real to you and you may be given a link along with it, but be careful, never click on this link because these could be phishing links and are enough to empty your bank account.

This information will be useful: Where to complain if your LPG cylinder is delayed? Learn the correct method here.

If your LPG cylinder is not delivered even after booking it, you can file a complaint with your gas agency or the relevant company's customer care. They can provide appropriate assistance. Running out of gas in the kitchen disrupts household chores. In such a situation, if the cylinder is not delivered on time even after booking, the problem increases. Customers often call the gas agency repeatedly, but do not receive clear delivery information. In such a situation, it is important for customers to know the correct method to lodge a complaint. Therefore, if your LPG cylinder is not being delivered on time, you can find out where and whom to contact to resolve your problem. Let's find out. You can learn more about this in the next slides... Where to complain if your LPG cylinder is delayed? First of all contact the gas agency- If you have not received the delivery after booking the LPG gas cylinder, then first of all contact your gas agency and ask them about the status of the booking and the reason for the delay in delivery. Along with talking on the phone, keep the booking date and booking number with you- You can ask the gas agency for a clear reason for the delay in delivery. Where to complain if the agency does not listen? If you do not get a satisfactory answer from the gas agency, then you can take action. This means that you can lodge a complaint against the agency with the customer care of your gas company. How to complain to the gas company? First method- You can complain to your gas company about the agency in two ways. In this, you can register a complaint by going to the gas company's app. Here you get the option to complain. Remember to keep the reference number safe so that you can track your complaint. Second method- The second method is that you can complain by calling. Actually, every gas company has a customer care, where customers can register a complaint. Therefore, you can register a complaint against the gas agency on the customer care number of your gas company. From here you can get proper help.

Home Decor: No expensive furniture, no elaborate decorations! Give your home a beach house look with shells and light colors.

The beauty of coquillage decor is that it not only beautifies your home but also uplifts your mood. Ocean-related colors and natural shapes are soothing to the eye and can create a light, holiday-like feeling in your home. Do you miss your time spent at the beach? If so, the "coquillage" home decor trend is for you. The French word "coquillage" is associated with seashells and shells. This trend gives a distinctive touch to decor inspired by the sea, shells, and conch motifs. The most special feature of this trend is that it doesn't require a complete nautical theme; instead, you can decorate your home with a few select elements. Bring the freshness of the sea to the bedroom - This trend is easiest to start with. Colors like light blue, cream, off-white, and white give the room a calm and open feel. Place a small shell-shaped lamp on the bedside table. Its soft light will create a soothing atmosphere at night, allowing you to sleep peacefully. A wall painting depicting the sea, shells, or waves can add a beautiful finish to the overall look. Give the living room a stylish look: Without making any major changes to the living room, simply place a shell-shaped tray on the center table, a shell-shaped candleholder on the dining table, and a small seashell or sea-motif art object on the bookshelf. Also, place an attractive, light-colored vase in a corner. Try to limit the number of decorative items so the room looks beautiful, not overcrowded. Get a beach-like feel in the bathroom: Place a shell-shaped soap dish, a small mirror with a seashell design, or decorative items with sea motifs in the bathroom. Pairing these with white and light blue colors will help give the bathroom a clean, fresh, and beautiful look. Create your own "seaside corner": Choose a small corner in the house and turn it into your own private "seaside" space where you can spend some time alone. A shell lamp, a painting of the sea, light blue cushions, and a small décor piece decorated with seashells can make this corner special. If desired, you can also add a comfortable chair and a small table. Remember, coquillege isn't about filling your home with the ocean, but rather about infusing its tranquility through your decor. Using the right colors and some beautiful nautical objects can help you enhance your mood. Coquillege decor enhances your mood: The uniqueness of coquillege decor is that it not only beautifies your home but also enhances your mood. Ocean-related colors and natural motifs are soothing to the eyes and can create a light, holiday-like feel. Soft colors soothe both the eyes and the mind. Therefore, today, people are incorporating not just expensive furniture or flashy decorative items into their homes, but also items that evoke emotions and memories. Achieve beautiful results with minimal decor: When adopting the coquillege trend, it's important to maintain balance. Use soft colors, natural motifs, and a few select nautical decorative items. Instead of filling your home with shells and seashells, consider using them thoughtfully. With the right colors and minimal decor, you can bring the serene and refreshing feeling of the sea into your home.

Karthik Sabesh: Tamil actor passes away at 37; had a special relationship with musician Deva

Karthik Sabesh has passed away just days after the death of legendary musician Deva. He was hospitalized after an illness. Tamil actor Karthik Sabesh passed away yesterday. He was 37 years old. He was the son of music director Sabesh and nephew of the late musician Deva. He had been unwell for some time. He was recently admitted to a private hospital in Chennai for treatment. He passed away on Monday. When did his uncle Deva pass away? - Just days before Karthik Sabesh's death, his uncle, legendary music director Deva, passed away on Saturday. Thus, the family and the Tamil film industry have suffered two major losses in a very short span of time. When will the funeral take place? - Karthik's funeral will take place in Chennai on Tuesday evening. His body is kept at his Chennai residence, where people are paying their last respects. He is survived by his wife, Ramya Karthik, and two daughters. Karthik's Career - During his acting career, Karthik Sabesh worked in several Tamil films such as "Dum," "Vallavan," "Pattathu Yaanai," and "Kulir 100." Deva composed music for over 400 films. Veteran music director Deva passed away on Saturday, October 17. His death has plunged the Tamil film industry into mourning. Known as "Thenisai Thendral," Deva composed music for over 400 films in Tamil, Telugu, Malayalam, and Kannada cinema. Artists paid tribute - Deva was known for composing music for many successful films, including Rajinikanth's "Annamalai," "Arunachalam," and "Baashha." He is also credited with popularizing the "gaana" music genre in Tamil cinema. He composed and sang several songs in this genre. Many prominent figures, including Rajinikanth, Kamal Haasan, and Tamil Nadu Chief Minister C. Joseph Vijay, paid tribute to the late musician.

This Marvel actor will attend the Los Angeles premiere and will be wearing traditional Indian attire.

Many big names are rumored to be attending the Los Angeles premiere of the film "Ramayana: Rise of a Legend." Find out which stars could be witnessing this special occasion.

Bollywood actors Ranbir Kapoor and Sai Pallavi will soon be seen in the film "Ramayana." Fans are quite excited about the film. "Ramayana" is set to be released soon. Hollywood actor Ryan Reynolds may attend the Los Angeles premiere of Ranbir Kapoor's upcoming film on October 27th. Which stars will be attending? According to a report in the Free Press Journal, Deadpool and Wolverine actor Ryan Reynolds will attend a special screening before the film's release. This premiere is being organized with a Diwali theme. Guests have been asked to wear traditional red Indian attire. Ryan Reynolds will also have to adhere to this dress code. According to reports, the screening will take place at the David Geffen Theater of the Academy Museum of Motion Pictures in Los Angeles. The film will be shown in 3D. Around 945 guests are expected to attend this special screening, including several Hollywood celebrities and representatives from the international media. Producer Namit Malhotra is preparing for a grand worldwide release of "Ramayana: Rise of a Legend." According to reports, the film is planned to be released on 50,000 screens in 125 countries. This premiere in Los Angeles is an important part of the film's international promotional campaign. When will "Ramayana" be released? Ranbir Kapoor plays Lord Rama in "Ramayana: Rise of a Legend." Sai Pallavi will play Sita and Ravi Dubey will play Lakshman. Yash will play Ravana in the film. The film is scheduled to release in theaters worldwide on November 5th, coinciding with Diwali. It will be released in Hindi, Tamil, Telugu, Kannada and Malayalam languages.

Bollywood's Vijayadashami: Kareena Kapoor Khan says, "Goodness always triumphs." Anil Kapoor and other celebrities extend Dussehra greetings.

On the occasion of Vijayadashami (Dussehra), celebrities from the film industry have extended their best wishes to fans. Celebs have spread the message of truth and righteousness through this festival. Vijayadashami (Dussehra), the festival of the victory of good over evil, is being celebrated with great enthusiasm across the country. Everyone is greeting each other on this occasion, and the film industry is not far behind. Many celebrities have congratulated their fans on this special occasion through social media. Let's take a look. Sunny Deol - Sunny Deol shared a graphic of a bow and arrow on his Instagram story, captioning it "Happy Dussehra." Anil Kapoor - Veteran Bollywood actor Anil Kapoor is celebrating Dussehra. He posted a picture of Lord Ram on his Instagram story. On this he wrote, "Happy Dussehra." Kareena Kapoor - Kareena Kapoor Khan also wished her fans a happy Dussehra in an interesting way. She posted a picture on Instagram. On it she wrote, "This reminds us that good always triumphs over evil. Happy Dussehra." Shilpa Shetty - Veteran Bollywood actress Shilpa Shetty is celebrating Dussehra. She posted a picture of Ram on Instagram Stories. On this she wrote, "Happy Dussehra." Neha Sharma - Actress Neha Sharma wrote on social media, "May the victory of good over evil fill your home with light, your heart with peace, and your life with hope. Wishing you all a very happy Dussehra. Happy Dussehra." Allu Arjun - South superstar Allu Arjun also wished his fans a happy Dussehra. He shared a picture on Instagram Stories. In this, Ram is symbolically killing Ravana. On this picture he wrote 'Happy Dussehra.'